RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

# सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक:301 ता. 11 मई 2021, मंगलवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत ( गुजरात ) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

## यूपी और दिल्ली समेत कई राज्यों में सख्ती, नए मामलों में कमी देख बढ़ाए गए प्रतिबंध

**नई दिल्ली।** उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र समेत देश के कम से कम 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए लाकडाउन, कफ्यू और लॉकडाउन जैसी सख्त पाबंदियां लगाई भी हैं। इस तरह देश की 90 फीसद से ज्यादा आबादी किसी न किसी तरह की पाबंदियों के दायरे में है।आबादी के लिहाज से देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए पहले वीकेंड लाकडाउन लगाया और फिर उसे 10 मई तक के लिए कोरोना कर्फ्यू में बदल दिया गया। अब राज्य सरकार ने कोरोना कफ्यू की अवधि को 17 मई तक बढ़ाने का एलान किया है। वहीं दिल्ली में भी लाकडाउन सोमवार, 17 मई तक बढ़ा दिया गया है। वहीं हरियाणा सरकार ने राज्य में लॉकडाउन को लेकर लगाई गई पाबंदियां 17 मई तक बढ़ा दी है। राजस्थान में सोमवार सुबह पांच बजे ( 10 मई ) से 24 मई तक सख्त लॉकडाउन रहेगा। उप्र में 16 अप्रैल को सिर्फ रविवार की साप्ताहिक बंदी का फैसला किया गया। फिर मामले बढ़ते-घटते गए और सरकार बंदी को विस्तार देती चली गई। रविवार को उप्र के सीएम आदित्यनाथ योगी ने कहा कि 24 घंटे में 23,333 नए मामले मिले हैं। स्वस्थ होने के बाद 34,636 व्यक्तियों को डिस्चार्ज किया गया है। योगी ने माना कि आंशिक कोरोना कर्फ्यू के बेहतर नतीजे मिल रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने भी कहा कि लाकडाउन के बाद कोरोना की चेन टूटनी शुरू हो गई है। 26 अप्रैल को संक्रमण दर 35 फीसद थी, जो अब घटकर 23 फीसद पर आ गई है। अभी ढील नहीं दी जा सकती है, नहीं तो जो हमने हासिल किया है, वह भी हाथ से निकल जाएगा।

किन- किन राज्यों में की गई सख्ती

- कर्नाटक में 10-24 मई तक लाकडाउन जैसी पाबंदियां
- महाराष्ट्र में पांच अप्रैल से 15 मई तक सख्त पाबंदियां
- गोवा में नौ मई से 15 दिनों का कर्फ्यू

# खत्म होगा टीके का संकट, जुलाई से देश में ही होगा रूस की स्पूतनिक-वी का उत्पादन

**नई दिल्ली।** कोरोना की भयावह दूसरी लहर के बीच लोग जल्द से जल्द टीका लगवा लेना चाहते हैं। लेकिन, टीके का उत्पादन कम है। देश में निर्मित दो टीके अभी लगाए जा रहे हैं, जबकि आयातित स्पूतनिक वी टीके को भी जल्द कार्यक्रम में शामिल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने टीकाकरण के लिए मिशन कोविड सुरक्षा शुरू किया है, जिसकी जिम्मेदारी संभाल रही हैं जैव प्रौद्यौगिकी विभाग की सचिव डॉ. रेनु स्वरूप। उन्होंने 'हिन्दुस्तान' के ब्यूरो चीफ मदन जैड़ा से एक ई-मेल साक्षात्कार में टीकों की उपलब्धता बढ़ाने और नए टीकों को लेकर कई जानकारियां साझा कीं।

**टीके का उत्पादन बढ़ाने के लिए और कंपनियों को मौका क्यों नहीं दिया जा रहा?**

कोवैक्सीन का उत्पादन बढ़ाने के लिए निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के क्षमतावान टीका निर्माताओं की पहचान की गई है। अब भारत बायोटैक की तकनीक इन निर्माताओं को हस्तांतरित करने को लेकर बातचीत की प्रक्रिया चल रही है। जल्दी ही योग्य निर्माताओं को तकनीक दी जाएगी।

**स्पूतनिक वी टीके को मंजूरी दी गई है। आयात शुरू हो गया है, लेकिन देश में इसका उत्पादन कब शुरू होगा?**

टीका देश में पहुंचना शुरू हो चुका है। एक खेप आ चुकी है। जल्द ही इसे भी टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल कर लगाना शुरू किया जाएगा। इस महीने के अंत तक 30 लाख और स्पूतनिक टीके की खुराक भारत पहुंचेंगी। साथ ही देश में इस टीके का उत्पादन शुरू करने के लिए रेड्डी लेबोरेटरी के अलावा पांच अन्य कंपनियों के साथ बातचीत चल रही है। इनमें हेटेरो बॉयोफॉर्मा, विरचोव बॉयोटैक, स्टेलिस बॉयोफॉर्मा, ग्लैंड

बॉयोफॉर्मा तथा पैनाशिया बॉयोटैक शामिल हैं। हमारी कोशिश है कि जुलाई से देश में निर्मित स्पूतनिक वी वैक्सीन मिलनी शुरू हो जाएगी।

**अन्य टीकों की क्या स्थिति है?**

तीन टीकों को आपात स्थिति की मंजूरी मिल चुकी है। पांच टीके क्लीनिकल ट्रायल के विभिन्न स्टेज में हैं। इनमें से जायडस कैडिला की डीएनए वैक्सीन और बॉयोलॉजिकल ई की रिकांबिनेंट वैक्सीन तीसरे चरण के परीक्षण से गुजर रही है। जिनोवा बॉयोफॉर्मास्युटिक्लस की एमआरएनए वैक्सीन तथा भारत बायोटैक की नेजल वैक्सीन पहले चरण के क्लीनिकल ट्रायल में हैं। इसके अलावा सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने नोवावैक्स द्वारा विकसित रिकांबिनेंट नेनोपार्टिकल वैक्सीन के तीसरे चरण के ब्रीजिंग क्लीनिकल ट्रायल आरंभ कर दिए हैं। उम्मीद है कि ये टीके भी जल्द उपलब्ध होंगे।

**कोरोना के नए वैरिएंट के मद्देनजर क्या कोविशील्ड और कोवैक्सीन को अपग्रेड करने की कोई योजना है ?**

जो नए वैरिएंट सक्रिय पाए गए हैं, उनकी नियमित रूप से जीनोम सिक्वेंसिंग की जा रही है। इंडियन सार्स कोव-2 जीनोमिक कंसोर्टियम के तहत डीबीटी-आईएलएस, डीबीटी-आरसीबी, सीएसआईआर-सीसीएमबी प्रयोगशालाओं द्वारा यह कार्य किया जा रहा है। नए वैरिएंट पर टीके के असर को लेकर भी अध्ययन किए गए हैं तथा आरंभिक नतीजे बताते हैं कि दोनों टीके नए वैरिएंट के खिलाफ कारगर हैं। इस दिशा में अभी विस्तृत अध्ययन जारी हैं, जिससे यह पता चलेगा कि नए वैरिएंट के खिलाफ उनकी प्रभावकारिता कितनी है। डब्ल्यूटीओ के कोरोना टीकों से पेटेंट हटाने की संभावना है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हैं कि कंपनियां तकनीक हस्तांतरित करने को तैयार होंगी या नहीं। ऐसी स्थिति में क्या हमारी कंपनियां एमआरएनए जैसे टीकों को नए सिरे से तैयार करने में सक्षम हो पाएंगी ?

क्यों नहीं, जिनोवा बॉयोफार्मा पहले से एमआरएनए वैक्सीन तैयार कर चुकी है। इसके परीक्षण चल रहे हैं। गैर मानवीय परीक्षणों में टीके से शानदार प्रतिरोधक क्षमता पैदा होती दिख रही है। इस टीके को 2-8 डिग्री तापमान पर स्टोर किया जा सकता है। इसके पहले चरण के परीक्षण चल रहे हैं, जो जून के मध्य तक पूरे हो जाएंगे।

## कोरोना के बीच इंडोनेशिया से आई मदद, IAF ने एयरलिफ्ट किए ऑक्सीजन कंटेनर

**नई दिल्ली।** कोरोना वायरस को लेकर देश बुरी तरह से जूझ रहा है। वहीं अस्पतालों और मरीजों को ऑक्सीजन की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अन्य देशों से मदद काफी मायने रखती है। कई देशों से मदद आने भी लगी है। इसी कड़ी में इंडोनेशिया के जकार्ता से चार क्रायोजेनिक ऑक्सीजन कंटेनरों को लेकर रविवार को भारतीय वायु सेना का IL-76s आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में उतरा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इंडोनेशिया से द्वुस्र फोर्स IL-76s ने 4 क्रायोजेनिक ऑक्सीजन कंटेनरों को एयरलिफ्ट किया और वाइजैग में लैंड किया। इस बीच, एक IAF C17 जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से जूलाइट को एयलिफ्ट कर मुंबई में उतरा। वहीं भारत में C-17 ने पुणे से क्रायोजेनिक ऑक्सीजन कंटेनरों को एयरलिफ्ट कर जामनगर में उतारा गया। ग्वालियर और भोपाल से एयरलिफ्ट कर 7 क्रायोजेनिक ऑक्सीजन कंटेनरों को रांची में उतारा गया। बता दें कि कोरोना की दूसरी लहर नें चिंता बढ़ा दी है। देश में रविवार को पांचवीं बार चार लाख से ज्यादा कोरोना के मामले आए हैं और यह लगातार चौथी बार है जब भारत में कोरोना के मामले चार लाख से ऊपर आए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के लेटेस्ट आंकड़ों की मों तो पिछले 24 घंटे के दौरान देश में रिकॉर्ड 4133 लोगों की मौतें हुई हैं और इसी दौरान 409,300 नए मामले सामने आए हैं। इस तरह से देश में अब तक कुल

2,42,398 लोगों की संक्रमण से मौत हो चुकी है। जबकि 2,22,95,911 लोग अब तक संक्रमित हो चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश में रोजाना करीब एक लाख से ज्यादा सक्रिय मरीजों का इजाफा देखने का मिल रहा है। इधर बढ़ते मामलों के बीच स्वस्थ होने वाले मरीजों की दर में कमी ने संकट को और बढ़ा दिया है। देश में कोरोना से ठीक होने की दर गिरकर 81.90 फीसदी पर पहुंच गई। इस दौरान 3,86,207 मरीज संक्रमण से उबरे। वहीं एक अप्रैल को मरीजों के ठीक होने की दर 93.89 फीसदी थी।

# आईआईटी के वैज्ञानिकों का दावा, अक्टूबर में आ सकती है कोरोना की तीसरी लहर

**नई दिल्ली।** कोरोना महामारी की तीसरी लहर अक्टूबर से पहले नहीं आएगी। वहीं दूसरी लहर जुलाई माह तक लगभग पूरी तरह खत्म हो जाएगी। ऐसे में सरकार अभी से तैयारी कर थर्ड वेव के खतरे को कम कर सकती है। यह बात आईआईटी के वरिष्ठ वैज्ञानिक, पद्मश्री व कंप्यूटिंग मॉडल से कोरोना की लहर को बताने वाले प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने कही। उन्होंने सरकार को थर्ड वेव से निपटने के लिए कई सुझाव भी दिए हैं। उन्होंने यह दावा इसी मॉडल के आधार पर किया है।

कोरोना की सेकेंड वेव ने त्राहि त्राहि मचा दी है। फर्स्ट वेव और सेकेंड वेव के डाटा रिपोर्ट के आधार पर प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने एक मॉडल तैयार किया है। इस मॉडल के आधार पर वे कोरोना का पीक और उसके उतार के बारे में जानकारी दे रहे हैं। पिछले माह

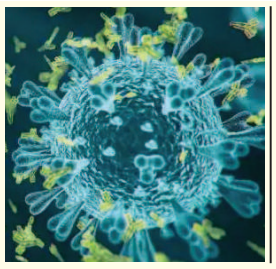

**कोरोना की सेकेंड वेव ने त्राहि त्राहि मचा दी है। फर्स्ट वेव और सेकेंड वेव के डाटा रिपोर्ट के आधार पर प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने एक मॉडल तैयार किया है। इस मॉडल के आधार पर वे कोरोना का पीक और उसके उतार के बारे में जानकारी दे रहे हैं।**

से शुरू हुए इस मॉडल का अनुमान अब तक लगभग सही जा रहा है। मॉडल के अनुरूप ही प्रदेश में कोरोना का पीक व उतार हो रहा है। इसी मॉडल के अनुसार जुलाई तक पूरे देश में कोरोना की स्थिति लगभग सामान्य हो जाएगी। प्रो. मणींद्र ने सुझाव देते हुए कहा कि स्थिति सामान्य होने पर राहत लेने के बजाए युद्ध स्तर पर तैयारी करने की आवश्यकता होगी, जिससे अक्टूबर में आने वाली थर्ड वेव के खतरे को कम किया जा सके।

**ये दिए सुझाव**

- सेकेंड वेव खत्म होने के बाद भी मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग का कड़ाई से पालन कराया जाना जरूरी है।
- अक्टूबर से पहले तक 90 फीसदी लोगों को वैक्सीनेशन हो जाए।

**आर नॉट वैल्यू पांच के करीब**-प्रो. मणींद्र ने बताया कि महामारी की भयावहता को मापने के लिए आर नॉट वैल्यू निकाली जाती है। कोरोना की फर्स्ट वेव में आर नॉट वैल्यू दो से तीन के करीब थी। मतलब एक व्यक्ति दो से तीन लोगों को संक्रमित कर रहा था। जबकि सेकेंड वेव में आर नॉट वैल्यू चार से पांच के करीब है। मतलब एक व्यक्ति कम से कम चार से पांच लोगों को संक्रमित कर रहा है। जब आर नॉट वैल्यू एक से कम होती है तो यह महामारी नहीं रह जाती है।

### संकट काल में मदद में आगे रही रेलवे

## अब तक देश के विभिन्न राज्यों को 4,200 मीट्रिक टन आक्सीजन पहुंचाई

**नई दिल्ली।** कोरोना संकट काल में रेलवे लोगों की मदद के लिए हमेशा आगे रहा है। रेलवे ने 19 अप्रैल से लेकर अब तक 268 टैंकर के जरिए देश के विभिन्न राज्यों को करीब 4200 मीट्रिक टन तरल मेडिकल आक्सीजन की आपूर्ति की है। रेलवे ने रविवार को बताया कि अब तक 68 आक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन अपनी यात्रा पूरी कर चुकी हैं। इस दौरान महाराष्ट्र में 293 टन, उत्तर प्रदेश में 1230 टन, मध्य प्रदेश में 271 टन, हरियाणा में 555 टन, तेलंगाना में 123 टन, राजस्थान में 40 टन और दिल्ली में 1679 टन आक्सीजन की आपूर्ति की गई। रेलवे ने रविवार को कानपुर में 80 टन आक्सीजन की आपूर्ति की।रेलवे ने कहा कि रविवार रात कुछ अन्य आक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन अपनी यात्रा शुरू कर सकती हैं। इस बीच गुजरात के हापा से एक ट्रेन 11 आक्सीजन टैंकर लेकर दिल्ली के लिए निकल चुकी है। इन टैंकरों में 224.67 टन आक्सीजन है जो दिल्ली, उप्र और हरियाणा के अस्पतालों को सप्लाई की जाएगी। कोविड केयर कोच के रूप में जाने जाने वाले 298 रेल कोचों को देश के सात राज्यों में 17 स्टेशनों पर कोरोना के मरीजों के खानपान के लिए तैनात किया गया है।रेल मंत्रालय के एक आधिकारिक बयान में कहा कि वर्तमान में, 298 कोचों को 4,700 से अधिक बेड की क्षमता वाले कोविड की देखभाल के लिए विभिन्न राज्यों को सौंप दिया गया है। बयान में कहा गया कि प्लेटफॉर्म पर तैनात किए गए आइसोलेशन कोचों को विधिवत रूप से बैरिकेड, मेक-शिफ्ट टेंट प्रदान किया गया है

### बिहार में प्राइवेट अस्पतालों की मनमानी जारी

# एक बेड का लिया 50 हजार, कोविड 19 की लिस्ट में नाम नहीं, फिर भी कर रहे संक्रमितों का इलाज

**पटना।** पटना के तीन निजी अस्पतालों में छापेमारी की गई। हनुमान नगर स्थित बुद्धा हॉस्पिटल पर एक मरीज से एक बेड के लिए 50 हजार लेने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इधर बाइपास के दो निजी अस्पतालों को प्रशासन ने नोटिस जारी कर पूछा है कि कोविड-19 की सूची में जब उनका नाम नहीं है, तो कैसे उपचार कर रहे थे।

डीएम को शिकायत मिली थी कि हनुमान नगर स्थित बुद्धा हॉस्पिटल में एक मरीज को उपचार के लिए 50 हजार लिया गया है। ऐसा कई मरीजों के साथ इस

अस्पताल ने किया है। डीएम ने कोविड-19 के नोडल अधिकारी प्रवीण कुंदन को मजिस्ट्रेट के साथ अस्पताल में छापेमारी करने को कहा।

छापामारी दल का नेतृत्व कर रहे प्रवीण कुंदन ने बताया कि जिस मरीज ने 50 हजार लेने की शिकायत की थी, उसने अस्पताल द्वारा दी गई कच्ची रसीद भी दिखाई है। इस मामले में अस्पताल के संचालक पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि बाइपास स्थित दो अन्य अस्पतालों की भी जांच की गई, जिसमें पाया गया कि बगैर सूचीबद्ध होने के बावजूद यहां पर कोविड-19 के मरीजों का उपचार किया जा रहा था तथा उनसे मनमाने तरीके से पैसे की वसूली की जा रही थी।

**तीन एंबुलेंस वालों ने लिया ज्यादा किराया, होगी जांच**

तीन एंबुलेंस संचालकों के खिलाफ रविवार को शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसकी जांच होगी। अधिकारियों का कहना है कि दर्ज की गई शिकायत में कहा गया कि निर्धारित से अधिक पैसे लिये गए हैं। इस मामले में जांच टीम जल्द ही कार्रवाई करेगी। प्रशासन ने निजी एंबुलेंस शिकायत दर्ज करने के लिए फोन नंबर और वाट्सएप नंबर जारी किया है। जिस पर कोई भी शिकायत दर्ज कर सकता है।

# कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सेना संभालेगी मोर्चा

## 400 रिटायर्ट सैन्य डॉक्टर्स की होगी भर्ती

**नई दिल्ली।** कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने पूरे देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को बेबस कर दिया है। अस्पतालों में पर्याप्त स्वास्थ्य कर्मी नहीं है और मौजूदा स्वास्थ्यकर्मी क्षमता से ज्यादा काम कर रहे हैं। ऐसे में रक्षा मंत्रालय ने कोविड-19 से लड़ने के लिए सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा (एएफएमएस) के 400 रिटायर्ड डॉक्टरों 11 महीने के लिए की भर्ती करने का फैसला किया है

अधिकारियों ने कहा कि सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा (एएफएमएस) कोविड -19 महामारी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए 11 महीने के लिए 400 सेवानिवृत्त चिकित्सा डॉक्टरों की भर्ती करने के लिए तैयार है। रक्षा मंत्रालय ने 2017 और 2019 के बीच सेवा से मुक्त किए गए इन डॉक्टरों को भर्ती करने के लिए,स्नस्र को अनुमति देने का आदेश पारित किया है। रक्षा मंत्रालय के सशस्त्र बल और अन्य विंग कोविड -19 की लड़ाई में सबसे आगे रहे हैं। उन्होंने कोविड -19 मामलों की बढ़ती संख्या से निपटने में मदद करने के लिए कोविड अस्पतालों की स्थापना की है, ऑक्सीजन उत्पादन में वृद्धि की है, चिकित्सा कर्मचारियों और ऑक्सीजन कंटेनरों को एयरलिफ्ट किया है और राज्य

सरकारों के साथ संपर्क किया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि इन चिकित्सा अधिकारियों को एक निश्चित एकमुश्त मासिक राशि का भुगतान किया जाएगा, जिसकी गणना सेवानिवृत्ति के समय लिए वेतन से मूल पेंशन में कटौती करके की जाएगी। अगर विशेषज्ञों के लिए कोई भुगतान है तो वह एकमुश्त राशि के ऊपर किया जाएगा। सशस्त्र बल कोविड -19 राहत के लिए युद्ध मोड में काम कर रहे हैं और आने वाले हफ्तों और महीनों में महामारी की दूसरी लहर से निपटने में मदद करने के लिए खुद की एक बड़ी भूमिका निभाएँगे। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में सशस्त्र बलों को निर्देश दिया कि वे महामारी के बढ़ते संकट से निपटने के लिए नागरिक प्रशासन की मदद करें।

सेना ने नागरिक अधिकारियों को महामारी से लड़ने में मदद करने के लिए एक तीन सितारा जनरल के तहत एक कोविड -19 प्रबंधन सेल की स्थापना की है। एक अधिकारी ने कहा कि इस सेल का संचालन डायरेक्टर जनरल ऑफ ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स एंड स्ट्रैटेजिक मूवमेंट करता है। नागरिक अधिकारियों को सेना के सहायता की देखरेख करने वाले तीन-स्टार अधिकारी सीधे उप प्रमुख को रिपोर्ट करते हैं।

## सार समाचार

### मुंबई में लगातार दूसरे दिन लोगों को नहीं मिली कोवैक्सीन की खुराक, बीएमसी ने जारी की सूचना

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में लगातार दूसरे दिन सोमवार को कोविड-19 रोधी टीके कोवैक्सीन की खुराक नहीं उपलब्ध होने के कारण टीकाकरण केन्द्रों से लोगों को निराश लौटना पड़ा। यह लोग टीके की दूसरी खुराक लेने के लिए टीकाकरण केन्द्रों पर आए थे। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने सोमवार को हालांकि ट्विटर पर उन 105 टीकाकरण केन्द्रों की सूची साझा की जहां टीके की खुराक उपलब्ध रहीं, लेकिन इन केन्द्रों पर केवल कोविशील्ड टीके की खुराक ही उपलब्ध थीं। इससे पहले कोवैक्सीन टीके की खुराक नहीं उपलब्ध होने के कारण रविवार को भी टीकाकरण अभियान प्रभावित रहा था। कोवैक्सीन टीके की दूसरी खुराक लेने आए कई लोगों ने गुस्से और नाराज़गी का इज़हार किया। कई लोगों ने कहा कि वह 42 दिन पहले टीके की पहली खुराक ले चुके हैं।

### दिल्ली में ऑक्सीजन सिलेंडर की कालाबाजारी करने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने ऑक्सीजन सिलेंडरों की कथित कालाबाजारी के एक मामले में कैट्स एम्बुलेंस सेवा में काम करने वाले दो पैरामेडिक कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी पवन (21) दक्षिणपुरी का रहने वाला है। वह एक प्रशिक्षित पैरामेडिक है और कैट्स एम्बुलेंस सेवा के साथ काम करता है। वह 15 लीटर के ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए 40,000 रूपये लेता था और 50 लीटर के सिलेंडर के लिए 90,000 रूपये लेता था। उन्होंने बताया कि आरोपी ने अपना मोबाइल नंबर इंस्टाग्राम पर डाल रखा था जिसके बाद उसके पास ऑक्सीजन सिलेंडर के अनुरोध आने लगे।

### शपथ लेने के 48 घंटे बाद ही कोरोना संक्रमित हुए पुडुचेरी के सीएम एन रंगासामी, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। पुडुचेरी के नवनियुक्त मुख्यमंत्री एन रंगासामी कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। हालांकि उनकी हालत स्थिर है। डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें चेन्नई के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोरोना वायरस के शुरुआती लक्षण दिखने के बाद रंगासामी ने अपना टेस्ट करवाया था जहां उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। आपको बता दें कि एआईएनआरसी नेता एन रंगासामी ने शुक्रवार को एक संक्षिप्त समारोह में पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। वह एक गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं जिसमें भाजपा के सदस्य भी शामिल होंगे। कर्नाटक दक्षिण का एकमात्र ऐसा राज्य में जहां भाजपा सत्तारूढ़ है और इस केंद्र शासित प्रदेश की कैबिनेट में भागीदारी भाजपा के विस्तार को दिखाता है।

### ममता बनर्जी बोलीं, कोरोना को नियंत्रित करने के लिए कड़े कदम उठाये जा रहे हैं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि राज्य में कोविड-19 के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए कड़े कदम उठाये जा रहे हैं। उन्होंने इस बात को दोहराया कि अगर संपूर्ण लॉकडाउन लगाया गया तो इससे आम लोगों की रोजी रोटी पर असर पड़ेगा। उन्होंने केंद्र सरकार से सभी के लिए मुफ्त टीकाकरण की सुविधा देने का अनुरोध किया। बनर्जी ने अपनी नवनिर्वाचित सरकार की पहली कैबिनेट बैठक के बाद राज्य सचिवालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम कड़े कदम उठा रहे हैं, संपूर्ण लॉकडाउन से लोगों की रोजी रोटी पर असर पड़ेगा।''

### गांवों में कोरोना संक्रमण फैलने से रोकने के लिए युद्धस्तर पर कार्य करने की जरूरत- मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव के बाद गांवों में कोरोना वायरस संक्रमण फैलने की खबरें मिल रही हैं और सरकार को इसकी रोकथाम के लिए युद्धस्तर पर कार्य करने की सख्त जरूरत है। मायावती ने एक ट्वीट में कहा, उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव की समाप्ति के बाद अब यहाँ खासकर छोटे कस्बों व देहात में बहुत तेजी से कोरोना वायरस महामारी के फैलने की दिल दहलाने वाली खबरें मिल रही हैं। लोग काफी दहशत में हैं। सरकार को इसकी रोकथाम के लिए युद्धस्तर पर कार्य करने की सख्त जरूरत है, बसपा की यह मांग है।'' उन्होंने कहा, साथ ही, हाल ही में देश के जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव खत्म हुये हैं, वहाँ शहरों के साथ-साथ देहातों में भी कोरोना वायरस महामारी का प्रकोप काफी तेजी से फैल रहा है। वहाँ की राज्य सरकारों को भी इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, बसपा की यह सलाह है। मायावती ने एक अन्य ट्वीट में कहा, माननीय उच्चतम न्यायालय ने भी हाल ही में राज्यों को कोरोना संक्रमण के इलाज के लिए ऑक्सीजन के बंटवारे व आपूर्ति आदि को लेकर अपने फैसले में केन्द्र सरकार को जो कदम उठाने के खास निर्देश दिये हैं, सरकार उन पर शीघ्र ही पूरी तरह से अमल जरूर करे तो बेहतर होगा।

# नितिन गडकरी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से अपील, कहा- समाज सेवा में राजनीति न कर सबकी मदद करें

**नागपुर। (एजेंसी)।**

केन्द्रीय मंत्री एवं भाजपा सांसद नितिन गडकरी ने रविवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से समाजसेवा करते समय राजनीति नहीं करने की अपील की और कहा कि वे महामारी के इस समय में लोगों के बीच जाकर उनकी हरसंभव मदद करें। उन्होंने भाजपा की नागपुर कार्यकारिणी की बैठक के समापन पर डिजिटल माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कोविड के बाद का भविष्य कोई नहीं जानता और हर किसी को अच्छा सोचना चाहिए तथा बुरे के लिए तैयार रहना चाहिए। गडकरी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से महामारी से निपटने के नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की और कहाकि भाजपा इस दौरान अनेक कार्यकर्ताओं को खो चुकी है।

उन्होंने कहा, समाज सेवा में राजनीति न करें क्योंकि आपके द्वारा किए गए अच्छे काम का श्रेय कार्यकर्ताओं के साथ-साथ भाजपा को भी मिलेगा। सामाजिक कार्य लोगों के हित में किए जाने चाहिए। राजनीति का मतलब केवल सत्ता में होना नहीं है, बल्कि यह सामाजिक कार्य और राष्ट्रवाद है।

गडकरी ने कहा, हमें जाति, धर्म या पार्टी के बारे में सोचे बिना समाज और गरीबों के साथ खड़े रहना चाहिए और सभी की मदद करनी चाहिए। इन अच्छे कामों का निश्चित रूप से भविष्य में भाजपा को लाभ मिलेगा।

# कोरोना महामारी के कारण कांग्रेस अध्यक्ष पद का नहीं होगा चुनाव

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)।**

कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए जून में प्रस्तावित चुनाव को कोरोना महामारी की गंभीर स्थिति के मद्देनजर स्थगित कर दिया गया है और फिलहाल सोनिया गांधी ही पार्टी के अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाती रहेंगी। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने सर्वसम्मति से यह फैसला किया कि कोरोना महामारी से जुड़े हालात में सुधार होने तक यह चुनाव स्थगित किया जाता है। कांग्रेस से जुड़े सूत्रों ने बताया कि सीडब्ल्यूसी की बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पार्टी के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण (सीईसी) की ओर से तैयार चुनाव कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी थी, लेकिन बाद में फैसला किया गया कि मौजूदा स्थिति में चुनाव कराना उचित नहीं है। इस चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक, जून के आखिर में कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव कराया जाना था। उल्लेखनीय है कि साल 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद राहुल गांधी ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था। इसके बाद सोनिया गांधी को पार्टी के अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। हक कांग्रेस के नए अध्यक्ष के चुनाव के लिए चल रही कवायद के बीच मंगलवार को पार्टी के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण (सीईए) की बैठक हुई जिसमें यह फैसला किया गया कि अगले एक महीने के भीतर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सदस्यों की सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि एआईसीसी के सदस्य कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव होने पर इसमें बतौर मतदाता भाग लेंगे।

# सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने किया टीकाकरण नीति का बचाव, शीर्ष कोर्ट से कहा- हस्तक्षेप न करें

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)।**

टीकाकरण नीति को लेकर लगातार घिर रही केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपना बचाव किया है। रविवार रात केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने हलफनामें में कहा है कि इस मामले में न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है। मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट आज सुनवाई करेगा। केंद्र ने अपने हलफनामें में यह भी स्पष्ट कर दिया है कि 18 से 44 साल के लोगों को वैक्सीन लगवाने की मंजूरी सिर्फ इसलिए दी गई है क्योंकि कई राज्य इसकी मांग कर रहे थे और केंद्र सरकार ने वैक्सीन उत्पादकों से राज्यों को एक कीमत पर वैक्सीन सप्लाई करने को कहा है।

बता दें कि जहां केंद्र सरकार को वैक्सीन की एक खुराक के लिए 150 रुपये चुकाने पड़ रहे हैं तो वहीं वैक्सीन निर्माता कंपनियां राज्यों से इसके लिए 300 और 400 रुपये प्रति डोज ले रही हैं। केंद्र सरकार ने हालांकि, यह कहा है कि उसे वैक्सीन की कीमत इसलिए कम चुकानी पड़ रही है क्योंकि उसने बड़ी मात्रा में टीके का ऑर्डर दिया है। अपने हलफनामे में केंद्र सरकार ने कहा, %इस बात पर ध्यान देना जरूरी है कि केंद्र सरकार ने अपने व्यापक टीकाकरण अभियान के लिए वैक्सीन के बड़े-बड़े ऑर्डर दिए। राज्य सरकारों और निजी अस्पतालों की तुलना में ऑर्डर काफी बड़े हैं। इसलिए इसका असर कीमत पर भी दिखा।% हलफनामे के मुताबिक, अलग-अलग कीमतों से प्राइवेट वैक्सीन निर्माताओं के लिए एक प्रतिस्पर्धी बाजार होगा जिसके परिणामस्वरूप वैक्सीन का उत्पादन बढ़ेगा और उसकी कीमतें भी ज्यादा नहीं होंगी। इससे विदेश वैक्सीन उत्पादक भी देश में वैक्सीन बनाने को प्रोत्साहित होंगे।

केंद्र ने यह भी कहा कि कीमतों में यह अंतर जनता पर असर नहीं डालेगा क्योंकि सभी राज्यों ने घोषणा कर दी है कि वे मुफ्त वैक्सीन मुहैया कराएंगे। केंद्र सरकार ने इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में यह भी कहा कि वह कोरोना को लेकर जरूरी दवा और अन्य सामग्रियों की सप्लाई से जुड़े स्वतः संज्ञान वाले केस में किसी भी तरह का आदेश पारित न करे। सरकार ने कहा है कि इस महामारी को लेकर सभी नीतियां मेडिकल एक्सपर्टस और वैज्ञानिक सलाहों से तय हो रही हैं, ऐसे में न्यायिक हस्तक्षेप की गुंजाइश न के बराबर है।

**सुप्रीम कोर्ट ने चार बिंदुओं पर केंद्र से जवाब मांगा था**

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्वतः-संज्ञान लिया था। बीती 27 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने चारों मुद्दों पर केंद्र से जवाब मांगा था। सुप्रीम कोर्ट ने ऑक्सीजन की आपूर्ति, कोविड बेड समेत महत्वपूर्ण चिकित्सा आवश्यकताओं में वृद्धि, रेमडेसिविर, फेविपिविर सहित आवश्यक दवाओं की उचित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदम और टीकाकरण को लेकर सवाल किए गए थे।

# दिल्ली में कोवैक्सीन का एक दिन का ही स्टॉक बचा है: सत्येंद्र जैन

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)।**

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने सोमवार को कहा कि दिल्ली में 'कोवैक्सीन' का स्टॉक केवल एक दिन का बचा है जबकि कोविशील्ड का स्टॉक तीन से चार दिन चलेगा। इससे एक दिन पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र से आग्रह किया था कि वह टीका निर्माताओं को मई से जुलाई के बीच राष्ट्रीय राजधानी को टीके की आपूर्ति बढ़ाने का निर्देश दें। मध्य दिल्ली में गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में गुरु तेग बहादुर कोविड केयर केंद्र में तैयारियों का जायजा लेने के बाद जैन ने पत्रकारों से कहा, ÷ कोवैक्सीन की खुराकें सिर्फ एक दिन चलेंगी जबकि कोविशील्ड की खुराकें तीन-चार दिन चल सकती हैं।÷ रविवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली को 18-44 वर्ष के श्रेणी में कोरोना वायरस रोधी टीके की 5.5 लाख खुराकें मिली हैं जबकि 45 वर्ष से अधिक और स्वास्थ्य देखभाल तथा अग्रिम पंक्ति के कर्मियों के लिए 43 लाख से अधिक खुराकें मिली हैं। राष्ट्रीय राजधानी में अब तक करीब 39 लाख खुराकें लगाई जा चुकी हैं। रविवार की शाम तक, दिल्ली में दिल्ली में 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए और स्वास्थ्य देखभाल तथा अग्रिम पंक्ति के कर्मियों के लिए कोरोना वायरस टीके की 4.65 लाख खुराकें उपलब्ध थीं जबकि 2.74 लाख खुराकें 18-44 वर्ष की श्रेणी के लिए थीं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पिछले पखवाड़े में संक्रमण दर और नए मामलों में कमी आना 'आशा की किरण' है। जैन ने कहा, ÷ (दैनिक) मामलों की संख्या करीब 28,000 से 13,000 पर आ गई है। संक्रमण दर उच्चतर 36 प्रतिशत से करीब 20 फीसदी पर आ गई है। ÷ उन्होंने कहा कि ढिलाई की कोई गुंजाइश नहीं है और सबसे आग्रह किया कि वे सतर्क रहें। जैन ने कहा कि 400 बिस्तरों के गुरु तेग बहादुर कोविड केयर केंद्र को दिल्ली सरकार के लोकनायक जय प्रकाश अस्पताल से संबद्ध किया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (डीएसजीएमसी) ने केंद्र के लिए अवसंरचना उपलब्ध कराई है और दिल्ली सरकार ने चिकित्सा सहयोग दिया है। डीएसजीएमसी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि कोविड केयर केंद्र का प्रबंधन एलएनजेपी अस्पताल के 50 डॉक्टर करेंगे। उनकी मदद 150 नर्सों और वार्ड बॉय की टीम करेगी। सिरसा ने कहा कि सभी बिस्तरों पर ऑक्सीजन सांद्रक हैं और केंद्र के पास 150 डी प्रकार के सिलेंडरों का बैकअप है।

# मध्य प्रदेश में कोरोना वायरस की तीसरी लहर से निबटने की तैयारी शुरू

**भोपाल। (एजेंसी)।**

मध्य प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने सोमवार को बताया कि कोरोना वायरस की तीसरी लहर में बच्चों के संक्रमित होने की आशंका को देखते हुये प्रदेश के मेडिकल कॉलेज के अस्पतालों में 360 बिस्तर के बच्चों के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) की व्यवस्था की जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने हाल ही में देश में कोरोना वायरस संक्रमण की तीसरी लहर की चेतावनी दी है और कहा है कि यह बच्चों को भी अपनी चपेट में ले सकता है। विश्वास सारंग द्वारा रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं उनके कोविड अस्पतालों के चिकित्सकों एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों के साथ मंथन एवं विमर्श कर कोरोना की तीसरी लहर की रोकथाम एवं उपचार के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की गई। सारंग ने बताया, ''कोरोना

की तीसरी लहर में नवजात शिशुओं एवं बच्चों के संक्रमित होने की आशंका को देखते हुये प्रदेश के मेडिकल कॉलेज के अस्पतालों में 360 बिस्तर के बच्चों के आइसीयू की व्यवस्था की जा रही है।'' उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में भोपाल के हमीदिया अस्पताल में 50 बिस्तर का बच्चों का आइसीयू तैयार किया जाएगा। सारंग ने कोरोना वायरस सक्रमण में नवजात शिशु एवं बच्चों के उपचार के लिए आवश्यक दवाइयां, इंजेक्शन आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 13 मेडिकल कॉलेज के अस्पतालों में 1000 ऑक्सीजन सांद्रक स्थापित किए जाएंगे। सारंग ने बताया कि कोरोना वायरस की तीसरी लहर में कोविड मरीजों की संख्या में वृद्धि की पूर्व तैयारी हेतु प्रदेश के मेडिकल कॉलेज के कोविड अस्पतालों की वर्तमान अधोसंरचना में ही ऑक्सीजन बिस्तर तथा आइसीयू/एचडीयू (हाई डिपेंडेंसी यूनिट्स) बिस्तर की वृद्धि किए जाने के निर्देश प्रदान किये। वर्तमान में प्रदेश के 13 मेडिकल कॉलेज के अस्पतालों में प्रथम चरण में 1267 बिस्तर की वृद्धि की जाएगी जिसमे 767 आइसीयू/एचडीयू बिस्तर की वृद्धि की जाएगी। उन्होंने उक्त बिस्तर वृद्धि करने के लिए आवश्यक उपकरण, संयंत्र एवं अन्य सामग्री की तत्काल खरीद करने के निर्देश भी दिए। सारंग ने बताया कि कोविड बिस्तर वृद्धि हेतु जो भी राशि की आवश्यकता होगी, वह सभी मेडिकल कॉलेजों को उपलब्ध कराई जाएगी।

# पाल एकता मंच उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल महिला प्रभारी बनी बहन नीलम अजय पाल

**संवाददाता जनार्दन गौड़**

**जौनपुर।**

दिनांक 9 मई 2021 दिन रविवार को विजय प्रताप इंजीनियरिंग कालेज जफराबाद जौनपुर के डायरेक्टर अजय प्रताप पाल जी की धर्मपत्नी बहन श्रीमती नीलम अजय पाल ग्राम महमदपुर पोस्ट इमलो जिला जौनपुर के निवासी है। *धर्मापुर ब्लाक महमदपुर ग्रामसभा के क्षेत्र पंचायत सदस्य(बीडीसी) जीतकर राजनैतिक क्षेत्र में अहम भूमिका निभा रही है* उन्होंने पाल एकता मंच के सामाजिक कार्यों को देखते हुवे राष्टीय अध्यक्ष श्री अच्छेलाल पाल से सम्प्रक किया और संस्था में जुड़कर सामाजिक और राजनैतिक में कार्य करने के लिए अपनी सहमति दिया। बहन नीलम पाल जी शिक्षा के क्षेत्र में समाज को जागरूक एवं समाज के लिए तन, मन, धन से सहयोग करती रहती है।

पाल एकता मंच जौनपुर के हर कार्यक्रम में बहन नीलम अजय पाल जी का बहुत बड़ा योगदान एवं सहयोग रहा है।

उन्होंने पाल एकता मंच के उद्देश्य को पढ़ा और सराहा, उन्होंने कहा कि मै शिक्षा से जुड़े हुए हर सामाजिक कार्यक्रम में बहुत ही रुचि रखती हूं। शिक्षा के साथ साथ संस्था के सभी उद्देश्य पर हम कार्य करेगे। अपने समाज की महिला बहन को एकजुट एवं जागरूक तथा यथासंभव सहयोग करने के लिए मै हमेशा तत्पर रहूंगी ।

बहन नीलम अजय पाल की सोच और सामाजिक

विचारधाराओं को देखते हुवे राष्टीय कार्यकारिणी ने आपसी विचार विमर्श करके बहन नीलम अजय पाल को पाल एकता मंच पूर्वांचल महिला प्रभारी के पद पर नियुक्त करती है।

पूर्वांचल महिला प्रभारी बनाए जाने पर बहन नीलम अजय पाल(बीडीसी) जी को बहुत बहुत बधाई।

# केंद्र ने कोर्ट से कहा, अस्पताल कोविड-19 मरीजों को बिना वैध पहचान पत्र भी भर्ती करेंगे

**नई दिल्ली। (एजेंसी)।**

देश में कोविड-19 मरीजों का इलाज कर रहे केंद्र और राज्यों के सरकारी अस्पतालों को निर्देश दिया गया है कि वे सुनिश्चित करें कि पहचान पत्र और कोरोना वायरस जांच रिपोर्ट के न होने की वजह से किसी भी मरीज को भर्ती करने से मना नहीं किया जाए। केंद्र सरकार ने यह जानकारी उच्चतम न्यायालय को दी। उच्चतम न्यायालय द्वारा उठाए गए बिंदुओं पर हलफनामे के जरियेदिए जवाब में केंद्र ने कहा कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों को कोविड-19 के संदिग्ध/पुष्ट हुए मामलों के प्रबंधन के लिए तीन स्तरीय चिकित्सा अवंसरचना स्थापित करने की नीति से अवगत करा दिया है। इसमें कहा गया कि अचानक आई महामारी और टीके की सीमित खुराक की वजह से एक बार में पूरे देश का टीकाकरण संभव नहीं है, ऐसे में खतरे पर विचार-विमर्श प्रमुख विषय है।

उच्चतम न्यायाल द्वारा कोविड-19 महामारी के दौरान आवश्यक आपूर्ति और सेवाएं सुनिश्चित करने को लेकर लिए गए स्वतः-संज्ञान पर केंद्र की ओर से रविवार रात को हलफनामा दाखिल किया गया। हलफनामा में कहा गया कि सात अप्रैल, 2020 को इस संबंध में जारी किए गए मार्गदर्शन दस्तावेज में संक्रमण के हल्के लक्षणों वाले मरीजों के लिए कोविड-19 मरीज देखभाल केंद्र (सीसीसी)की स्थापना की परिकल्पना की गई है और इन्हें सार्वजनिक और निजी छात्रावास, होटल, स्कूल, स्टेडियम और लॉज में स्थापित करने का प्रावधान हैं। केंद्र ने कहा, ''सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैसे कार्यरत अस्पताल जिनमें नियमित रूप से गैर कोविड-19 मरीज देखे जाते हैं उन्हें भी आखिरी विकल्प के तौर पर कोविड-19 मरीज देखभाल केंद्र बनाया जा सकता है। वहीं समर्पित कोविड-19 स्वास्थ्य केंद्र मध्यम लक्षण वाले मरीजों का इलाज कर सकते हैं।'' केंद्र ने आगे कहा, ''केंद्र सरकार यह जानकारी देना चाहती है कि उसने केंद्र, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन के अधीन अस्पतालों (निजी अस्पतालों सहित) में जहां पर कोविड-19 मरीजों का इलाज चल रहा है, यह सुनिश्चित करें कि मरीजों की भर्ती के लिए कोविड-19 संक्रमित होने संबंधी जांच रिपोर्ट अनिवार्य नहीं है।

केंद्र ने बताया, ''संदिग्ध मामले में मरीजों को कोविड-19 मरीज देखभाल, समर्पित कोविड-19 स्वास्थ्य केंद्र या समर्पित अस्पताल के संदिग्ध मामलों के वार्ड में भर्ती किया जा सकता है। किसी भी मरीज को अगर वह दूसरे शहर का है तो वैध पहचान पत्र या स्थानीय निवासी होने का प्रमाण पत्र पेश नहीं करने के आधार पर सेवा देने से इनकार नहीं किया जा सकता है और मरीज को ऑक्सीजन और आवश्यक दवाई जैसी सेवा देनी होगी। सरकार ने शीर्ष अदालत को कहा कि अस्पताल में भर्ती जरूरत के आधार पर होनी चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि बिस्तर ऐसे लोगों द्वारा नहीं भरा जाए जिन्हें भर्ती होने की जरूरत नहीं है। केंद्र ने कहा, ''सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों से अनुरोध किया गया है कि वे तीन दिन के भीतर उपरोक्त निर्देशों को शामिल करने के लिए परिपत्र जारी करें और यह उचित समान नीति बनने तक लागू रहेंगे।'' पीठ ने कहा, '' केंद्र ने यह भी बताया है कि स्वास्थ्य एवं

परिवार कल्याण मंत्रालय ने सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के अतिरिक्त मुख्य सचिवों/प्रधान सचिवोस्वास्थ्य/चिकित्सा शिक्षा को पत्र लिखा है कि वे देश में चिकित्सा कर्मियों की जरूरत को पूरा करने के लिए असाधारण उपाय सुझाएं।'' केंद्र ने कहा कि कोविड-19 महामारी के चलते प्रशिक्षित मानव बल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और भारतीय नर्सिंग परिषद से विचार विमर्श कर दिशानिर्देश और निर्देश जारी किए जा रहे हैं।

# जल बचत और फसल बढ़ाए
# ड्रिप सिंचाई प्रौद्योगिकी

भारत में सिंचित क्षेत्र निवल बुवाई क्षेत्र का लगभग 36 प्रतिशत है। वर्तमान में कृषि क्षेत्र में संपूर्ण जल उपयोग का लगभग 83 प्रतिशत जल उपयोग में लाया जाता है। शेष 5, 3, 6 और 3 प्रतिशत जल का उपयोग क्रमशः घरेलू, औद्योगिक व उर्जा के क्षेत्रों तथा अन्य उपभोक्ताओं द्वारा किया जाता है। भविष्य में अन्य जल उपयोगकर्ताओं के साथ प्रतिस्पर्धा बढ़ जाने के कारण विस्तृत होते हुए सिंचित क्षेत्र के लिए जल की उपलब्धता सीमित हो जाएगी। सिंचाई की परंपरागत सतही विधियों में जल की क्षति अधिक होती है। यदि ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई की विधियों को अपनाया जाए तो इन हानियों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इन सभी सिंचाई की विधियों में से ड्रिप सिंचाई सर्वाधिक प्रभावी है और इसे अनेक फसलों, विशेषकर सब्जियों, बागानी फसलों, पुष्पों और रोपण फसलों में व्यापक रूप से उपयोग में लाया जा सकता है। ड्रिप सिंचाई में इमीटरों और ड्रिपरों की सहायता से पानी पौधों की जड़ों के पास डाला जाता है या मिटटी की सतह अथवा उसके नीचे पहुंचाया जाता है। इसकी दर 2-20 लीटर/घंटे अर्थात बहुत कम होती है। जल्दी-जल्दी सिंचाई करके मृदा में नमी का स्तर अनुकूलतम रखा जाता है। ड्रिप सिंचाई के परिणामस्वरूप जल अनुप्रयोग की दक्षता बहुत उच्च अर्थात लगभग 90-95 प्रतिशत होती है। विशिष्ट ड्रिप सिंचाई प्रणाली चित्र में दर्शायी गयी है।

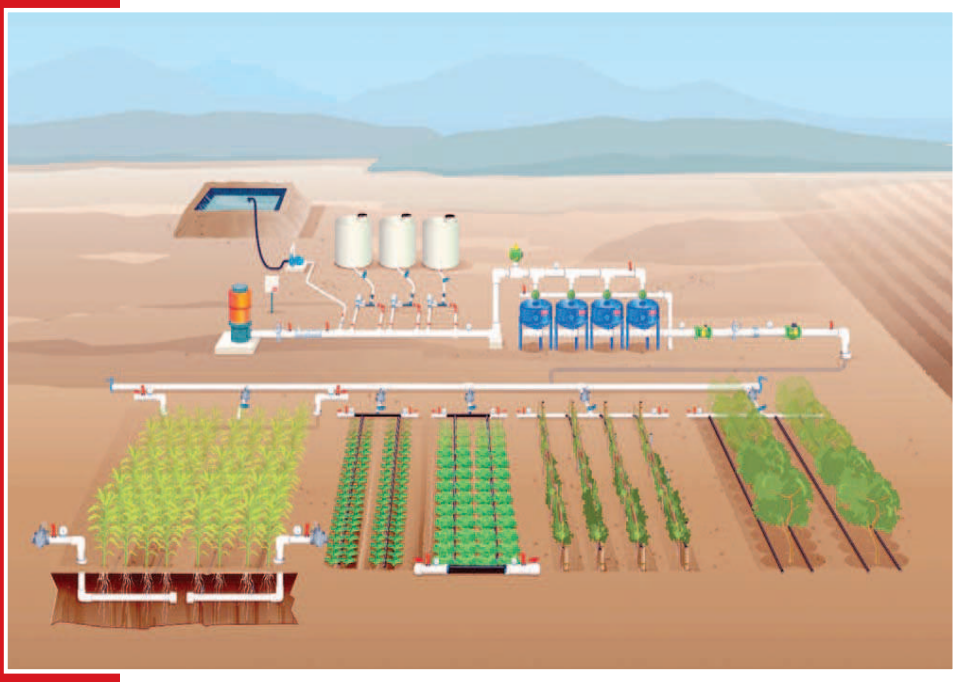

## ड्रिप सिंचाई का इतिहास

भारत के कुछ भागों में प्राचीन परंपरा के अंतर्गत ड्रिप सिंचाई का उपयोग हुआ है और इसके द्वारा घर के आंगन में रखे तुलसी के पौधे की सिंचाई की जाती थी। गर्मियों के मौसम में पौधों की सिंचाई के लिए वृक्षों या पौधों के पास एक छोटा छेद करके पानी से भरा घड़ा लटका दिया जाता था जिससे बूंद-बूंद कर पानी टपकता रहता था। अरूणाचल प्रदेश के आदिवासी किसानों ने पतले बांस को पानी के प्रवाह के रूप में नाली का इस्तेमाल करते हुए ड्रिप सिंचाई प्रणाली को आदिप्रथा के रूप में अपनाया था। उप-सतही सिंचाई में ड्रिपरों का उपयोग जर्मनी में 1869 में पहली बार किया गया। 1950 के दशक के दौरान और इसके पश्चात पैट्रोरसायन उद्योग में हुई तेजी से वृद्धि से कम लागत पर प्लास्टिक के पाइपों का निर्माण करना संभव हुआ। ये पाइप धातु या सीमेंट-कंक्रीट से बने पाइपों की तुलना में सस्ते व सुविधाजनक थे। प्लास्टिक के पाइप दबाव के अंतर्गत जल को वहन करने में सुविधाजनक होते हैं तथा इन्हें वांछित संरचना में आसानी से तैयार किया जा सकता है।

प्लास्टिक से बने ड्रिप सिंचाई के खेतों या बागों में उपयोग में आने वाले पाइप व्यवहारिक दृष्टि से उत्तम होते हैं। ड्रिप सिंचाई प्रणाली का विकास खेत फसलों के लिए इजराइल में 1960 के दशक के आरंभ में तथा आस्ट्रेलिया व उत्तरी अमेरिका में 1960 के दशक के अंत में हुआ। इस समय अमेरिका में ड्रिप सिंचाई प्रणाली के अंतर्गत सर्वाधिक क्षेत्र है जो लगभग 1 मिलियन हैक्टर है। इसके बाद भारत, स्पेन, इजराइल आदि देश आते हैं। भारत में पिछले लगभग 15 वर्षों के दौरान ड्रिप सिंचाई के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में अत्यधिक वृद्धि हुई है। वर्तमान में, भारत सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप हमारे देश में लगभग 3.51 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई की जाती है जबकि 1960 में यह क्षेत्र केवल 40 हैक्टेयर था। महाराष्ट्र (94,000 है.), कर्नाटक (66,000 है.) और तमिलनाडू (55,000 है.) कुछ ऐसे राज्य हैं जिनमें बड़े क्षेत्रों में ड्रिप सिंचाई की जाने लगी है। भारत में सिंचाई की ड्रिप विधि से अनेक फसलें सींची जाती हैं। सबसे अधिक प्रतिशत वृक्षों में की जाने वाली ड्रिप सिंचाई का है जिसके बाद लता वाली फसलों, सब्जियों, खेत फसलों व अन्य फसलों का स्थान आता है।

ड्रिप और सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों के लिए विकास की क्षमता

ड्रिप सिंचाई प्रणाली सभी बागानी व सब्जी वाली फसलों के लिए उपयुक्त है।

ड्रिप सिंचाई प्रणाली को प्याज और भिंडी सहित घनी फसलें उगने वाले खेतों में भी सफलतापूर्वक अपनाया जा सकता है।

भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के बागवानी में प्लास्टीकल्चर अनुप्रयोगों पर राष्ट्रीय समिति ने अनुमान लगाया है कि देश में कुल 27 मिलियन हैक्टर क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई का उपयोग किया जा रहा है।

## टपक सिंचाई प्रणाली

ड्रिप प्रणाली सिंचाई की उन्नत विधि है, जिसके प्रयोग से सिंचाई जल की पर्याप्त बचत की जा सकती है। यह विधि मृदा के प्रकार, खेत के ढाल, जल के स्त्रोत और किसान की दक्षता के अनुसार अधिकतर फसलों के लिए अपनाई जा सकती हैं। ड्रिप विधि की सिंचाई दक्षता लगभग 80-90 प्रतिशत होती है। फसलों की पैदावार बढ़ने के साथ-सथ इस विधि से उपज की उच्च गुणवत्ता, रसायन एवं उर्वरकों का दक्ष उपयोग, जल के विक्षालन एवं अप्रवाह में कमी, खरपतवारों में कमी और जल की बचत सुनिश्चित की जा सकती है।

इस विधि का उपयोग पूरे विश्व में तेजी से बढ़ रहा है। सीमित जल संसाधनों और दिनों दिन बढ़ती हुई जलावश्यकता और पर्यावरण की समस्या को कम करने के लिए ड्रिप सिंचाई तकनीक निःसन्देह बहुत कारगर सिद्ध होगी। जिन क्षेत्रों में भूमि को सममतल करना मंहगा और कठिन या असंभव हो उन क्षेत्रों में व्यावसायिक फसलों को सफलतापूर्वक उगाने के लिए ड्रिप सिंचाई तकनीक सर्वाधिक उपयुक्त है। ड्रिप तंत्र एक अधिक आवृति वाला ऐसा सिंचाई तंत्र है जिसमें जल को पौधों के मूलक्षेत्र के आसपास दिया जाता है। ड्रिप सिंचाई के द्वारा पौधे को आवश्यकतानुसार जल दिया जा सकता है। ड्रिप सिंचाई के द्वारा 30-40 प्रतिशत तक उर्वरक की बचत, 70 प्रतिशत तक जल की बचत के साथ उपज में 100 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। इसके अतिरिक्त खरपरवारों में कमी, ऊर्जा की खपत में बचत और उत्पाद की गुणवत्ता में बढ़ोतरी भी होती है।

**जल की बचत :** 70 प्रतिशत तक जल की बचत। सिंचाई का जल सतहपर बह कर और जमीन में मूलक्षेत्र से नीचे नहीं जाता है। सिंचाई के जल का बड़ा हिस्सा वाष्पन, रिसाव और जमीन में ज्यादा गहराई तक जाकर बर्बाद होता है।

**जल के उपयोग की दक्षता :** 80 से 90 प्रतिशत तक, 30-50 प्रतिशत, क्योंकि बहुतसारा सिंचाई का जल फसल तक पहुँचने में और खेत में वितरण में बर्बाद हो जाता है।

**श्रम की बचत :** ड्रिप तंत्र को लगभग प्रतिदिन शुरू और बन्द करने के लिए श्रम की बहुत कम आवश्यकता होती है। इसमें प्रति सिंचाई ड्रिप से ज्यादा श्रम की जरूरत होती है।

**खरपतवार की समस्या :** मिट्टी का कम हिस्सा नम होता है, इसलिए खेत में खरपतवार भी कम होते हैं।

**खारे जल का उपयोग :** जल्दी-जल्दी सिंचाई करने के कारण जड़ तंत्र में अधिक नमी रहती है और लवणों की सान्द्रता हानिकारक स्तर से कम रहती है। लवणों का सान्द्रण जड़ तंत्र में बढ़ जाता है, जिससे जड़ों कीवृद्धि रूक जाती है, इसलिए खारे जल का उपयोग नहीं करपाते हैं।

**बीमारियों और कीड़े-मकोड़ों की समस्या :** पौधों के आसपास वायुमण्डल में नमी की सान्द्रता कम रहती है, इसलिए पौधों में बीमारियों और कीड़े-मकोड़े लगने की संभावना कम रहती है।

**खराब मृदाओं में उपयुक्तता :** ड्रिप सिंचाई द्वारा मृदा में जल के वितरण को मृदा की प्रकार के अनुसार नियोजित किया जा सकता है। इसलिए, ड्रिप सिंचाई सब प्रकार की मृदाओं के लिए प्रयुक्त की जा सकतीहै।

**जल का नियंत्रण :** बिल्कुल सही और सरल ढंग से संभव।

**उर्वरक उपयोग की दक्षता :** निच्छालन और अपवाह न होने के कारण पोषक तत्व नष्ट नहीं होते हैं, इसलिए इनके उपयोग की दक्षता बढ़ जाती है। पोषक तत्व निच्छालन और बहाव में नष्ट हो जाते हैं, इसलिए उनके उपयोग की दक्षता निम्न होती है।

**भूक्षरण :** मिट्टी की सतह का आंशिक और नियंत्रित हिस्सा ही गीला होता है, इससे भूक्षरण नहीं होता है।

**पैदावार में बढ़ोतरी :** जल्दी-जल्दी सिंचाई से मिट्टी में जल तनाव नहीं रहता है और पौधों की वृद्धि अधिक होती है, जिससे पैदावार 100 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।

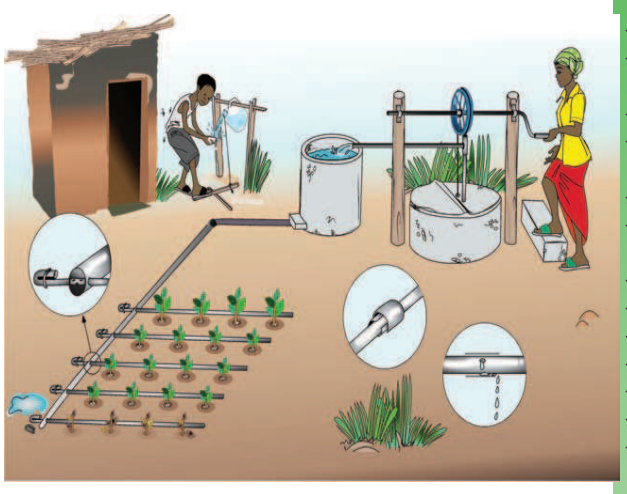

# ड्रिप सिंचाई के साथ-साथ
# फर्टिगेशन भी पहुंचता है पौधों तक

फर्टिगेशन दो शब्दों फर्टिलाइज़र अर्थात् उर्वरक और इर्रिगेशन अर्थात् सिंचाई से मिलकर बना है। ड्रिप सिंचाई में जल के साथ–साथ उर्वरकों को भी पौधों तक पहुँचाना फर्टिगेशन कहलाता है। ड्रिप सिंचाई में जिस प्रकार ड्रिपरों के द्वारा बूंद–बूंद कर के जल दिया जाता है, उसी प्रकार रासायनिक उर्वरकों को सिंचाई जल में मिश्रित करके उर्वरक अंतः क्षेपक यंत्र की सहायता से ड्रिपरों द्वारा सीधे पौधों के पास पहुँचाया जा सकता है। फर्टिगेशन उर्वरक देने की सर्वोत्तम तथा अत्याधुनिक विधि है।

फर्टिगेशन को फसल एवं मृदा की आवश्यकताओं के अनुरूप उर्वरक व जल का समुचित स्तर बनाए रखने के लिए अच्छी तकनीक के रूप में जाना जाता है। जल और पोषक तत्वों का सही समन्वय अधिक पैदावार और गुणवत्ता की कुंजी है। फर्टिगेशन द्वारा उर्वरकों को कम मात्रा में जल्दी–जल्दी और कम अन्तराल पर पूर्वनियोजित सिंचाई के साथ दे सकते हैं, इससे पौधों को आवश्यकतानुसार पोषक तत्व मिल जाते हैं और मूल्यवान उर्वरकों का निच्छालन द्वारा अपव्यय भी नहीं होता है।

सामान्यतः फर्टिगेशन में तरल उर्वरकों का ही प्रयोग किया जाता है परन्तु दानेदार और शुष्क उर्वरकों को भी फर्टिगेशन के द्वारा दिया जा सकता है। फर्टिगेशन के द्वारा शुष्क उर्वरकों को देने से पूर्व उनका जल में घोल बनाया जाता है। उर्वरकों के जल में घोलने की दर उनकी विलेयता और जल के तापमान पर निर्भर करती है। उर्वरकों के घोल को फर्टिगेशन से पहले छान लेना चाहिए।

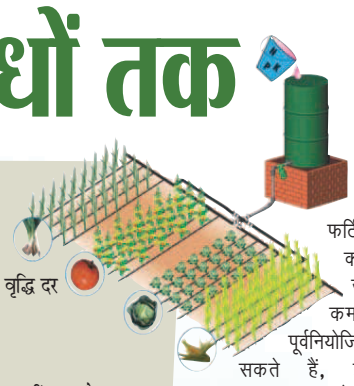

## फर्टिगेशन से लाभ

- फर्टिगेशन जल एवं पोषक तत्वों के नियमित प्रवाह को सुनिश्चित करता है जिससे पौधों की वृद्धि दर तथा गुणवत्ता में वृद्धि होती है।
- फर्टिगेशन द्वारा पोषक तत्वों को फसल की मांग के अनुसार उचित समय पर दे सकते हैं।
- फर्टिगेशन पोषक तत्वों की उपलब्धता और पौधों की जड़ों के द्वारा उनका उपयोग बढ़ा देता है।
- फर्टिगेशन उर्वरक देने की विश्वस्तरीय और सुरक्षित विधि है। इससे पौधों की जड़ों को हानि पहुँचने का भय नहीं रहता है।
- फर्टिगेशन से जल और उर्वरक पौधों के मध्य न पहुंचकर सीधे उनकी जड़ों तक पहँचते हैं इसलिए पौधों के मध्य खरपतवार कम संख्या में उगते हैं।
- फर्टिगेशन से भूमिगत जल का प्रदूषण नहीं होता है।
- फर्टिगेशन से फसलों के पूरे वृद्धि काल में उत्पादन को बिना कम किए, उर्वरक धीरे-धीरे दिए जा सकते हैं। ?
- उर्वरक-उपयोग की किसी अन्य विधि की तुलना में फर्टिगेशन सरल एवं अधिक सुविधाजनक है जिससे समय और श्रम की बचत होती है।
- ड्रिप सिंचाई द्वारा फर्टिगेशन करने से बंजर भूमि (रेतीली या चट्टानी मृदा) में जहां जल एवं
- तत्वों को पौधे के मूल क्षेत्र के वातावरण में नियन्त्रित करना कठिन होता है, फसल ली जा सकती है।
- उर्वरक-उपयोग की दक्षता बढ़ती है और उर्वरक की कम मात्रा में आवश्यकता होती है

## संपादकीय

### दवाओं की पड़ताल

दुनिया भर में कोविड महामारी से निजात पाने के लिए प्रभावशाली दवाओं की खोज लगातार जारी है। अब तक जो इलाज किया जा रहा है, वह मुख्यत: मरीज के शरीर के तंत्र को सहारा देने और नुकसान को सीमित करने पर आधारित है, ताकि शरीर का प्रतिरोधक तंत्र खुद वायरस से मुकाबला कर ले और वायरस जल्दी शरीर से चला जाए। जैसे बैक्टीरिया से मुकाबला करने के लिए कई प्रभावी एंटीबायोटिक दवाएं हैं, वायरस से होने वाले रोगों के खिलाफ हमारे पास बहुत सीमित दवाएं हैं, जो कुछ ही वायरस के खिलाफ कारगर होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पिछले साल ऐसी चार दवाओं का परीक्षण किया था, जिनके कोविड के खिलाफ कारगर होने की संभावना थी, लेकिन उनमें से कोई सचमुच प्रभावशाली नहीं साबित हुई। हालांकि, बाद में उनमें से एक रेमडेसिविर को सीमित आधार पर उपयोग की मान्यता दे दी गई । अब विश्व स्वास्थ्य संगठन तीन नई दवाओं का परीक्षण दुनिया के कई अस्पतालों में करने जा रहा है। हालांकि, इनमें से कोई वायरस को मारने वाली दवा नहीं है, बल्कि ये एक अलग सिद्धांत पर काम करती हैं, जो आम तौर पर अब तक कोविड के गंभीर स्वरूप के खिलाफ सबसे ज्यादा कारगर तरीका नजर आता है। देखा यह गया है कि अक्सर कोविड के मरीजों की गंभीर स्थिति इसलिए हो जाती है, क्योंकि उनके शरीर का प्रतिरक्षा तंत्र कोरोना वायरस के खिलाफ इतने ज्यादा आक्रामक तरीके से हमला करता है कि उससे मरीज के फेफड़ों की कोशिकाएं ही क्षत-विक्षत हो जाती हैं, यानी कोरोना वायरस से ज्यादा नुकसान शरीर का प्रतिरक्षा तंत्र करता है। ऐसा कई वायरल संक्रमणों में होता है। एच1एन1 वायरस से होने वाले इन्फ्लुएंजा में लगभग 80 प्रतिशत गंभीर मामले इसी वजह से होते हैं। यही कारण है, सौ बरस पहले स्पेनिश फ्लू से मरने वालों में ज्यादातर नौजवान थे। नौजवानों का रोग प्रतिरक्षा तंत्र ज्यादा मजबूत होता है, इसलिए उनके प्रतिरक्षा तंत्र ने ज्यादा नुकसान किया। कोविड में इस प्रक्रिया के बारे में ठीक-ठीक पता नहीं है, लेकिन यह प्रमाणित है कि प्रतिरक्षा तंत्र को दबाने वाली कॉर्टिकोस्टेरॉइड व अन्य दवाएं गंभीर मरीजों में काफी कारगर साबित हुई हैं। प्रतिरक्षा तंत्र से जुड़ी बीमारियों में उपयोगी दवाएं जैसे टॉकलिजुमाब का भी गंभीर बीमारी में उपयोग किया जा रहा है और उसके नतीजे भी काफी अच्छे हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन अब जिन तीन दवाओं, इमेटिनिब, आर्टेस्युनेट और इन्फ्लिक्सिमैब का परीक्षण कर रहा है, वे शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर काम करती हैं। हम जानते हैं कि डेक्सामेथासॉन जैसे स्टेराइड और टॉकलिजुमाब जैसी दवाएं कारगर तो हैं, लेकिन सारे मरीजों में इनका एक सा असर नहीं देखने में आता। कुछ मरीजों को इन दवाओं से फायदा होता है, तो कुछ को बिल्कुल नहीं होता। अब कोशिश यह है कि इसी किस्म की कुछ अन्य दवाएं खोजी जाएं, जिनके प्रभाव का दायरा ज्यादा हो और जिनसे ज्यादा मरीजों को निश्चित रूप से लाभ मिल सके। जाहिर है, कोरोना की रोकथाम की दूरगामी रणनीति का आधार तो वैक्सीन ही हो सकता है, लेकिन जब रोग की लहर चल रही हो, तब उनमें से करीब चार-पांच प्रतिशत लोग गंभीर रूप से बीमार हो सकते हैं। इन लोगों के लिए प्रभावी इलाज खोजने की कोशिशें बहुत महत्वपूर्ण हैं। उम्मीद है कि यह कोशिश जल्दी कामयाब होगी।

### लांसेंट का अध्ययन

दिल्ली, मुंबई जैसे बड़े महानगरों में कोरोना संक्रमण की रफ्तार कुछ धीमी पड़ी है। यह बात जहां दिल को थोड़ी राहत देने वाली है उससे बड़ी चिंता बढ़ाने वाली खबर यह है कि कोरोना की लहर गांवों तक पहुंच चुकी है और देश भर में रोजाना 4 लाख से ऊपर मामले अभी भी सामने आ रहे हैं और 4000 से अधिक लोग रोज जान गंवा रहे हैं। गांवों में हो रही मौतों का आंकड़ा भी दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। भारत में कोरोना की स्थिति और प्रबंधन को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंताएं बढ़ रही हैं। इंस्टीट्यूट आफ हेल्थमैट्रिक्स एंड इवैल्यूशन का अनुमान है कि एक अगस्त तक भारत में कोविड़ 19 से मरने वालों की संख्या दस लाख तक पहुंच सकती है। स्वास्थ्य क्षेत्र की मशहूर पत्रिका 'लांसेट' का कहना है कि भारत सरकार को इस दिशा में तुरंत ध्यान देना होगा अन्यथा वह कोरोना के खिलाफ लड़ाई में मिली बढ़त को खो देगी। 'लांसेट' ने ध्यान दिलाया है कोरोना की दूसरी लहर शुरू हो जाने के बावजूद अप्रैल तक एंटी कोविड़ टास्क फोर्स की बैठक ही नहीं हुई थी। कोरोना के चलते दिल्ली के अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी से मौत की घटनाएं कुछ घटी हैं, लेकिन केंद्र सरकार से इसे लेकर उसकी खींचतान कम नहीं हुई है। दिल्ली की आप सरकार का कहना है कि शनिवार 8 मई को उसे 499 मीट्रिक टन ऑक्सीजन ही मिली जो कि जरूरत का 71 फीसद ही है। उल्लेखनीय है सर्वोच्च अदालत दिल्ली को रोजाना 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन देने का आदेश दे चुका है। केंद्र और राज्यों खासकर दिल्ली में ऑक्सीजन का झगड़ा सुलझता न देखकर कोर्ट ने शनिवार को ही हेल्थ और मेड़िकल क्षेत्र के 12 दिग्गजों की एक नेशनल टास्क फोर्स बनी दी है। यह टास्क फोर्स फिलहाल 6 महीने के लिए बनाई गई है और भविष्य की जरूरतों पर भी फोकस करेगी। टास्क फोर्स देश भर में ऑक्सीजन के आवंटन और आपूर्ति को स्ट्रीमलाइन करने का काम करेगी। इस बीच एक अच्छी खबर ड़ीआरड़ीओ से आई है। भारत के दवा नियंत्रक ने उसकी कोरोना रोधी दवा के आपात इस्तेमाल की इजाजत दे दी है। इस दवा के दो ट्रायल हो चुके हैं। इस दवा को पानी से भी लिया जा सकता है और यह ऑक्सीजन निर्भरता को भी कम करती है।

## परिधि/राजीव मंडल

### निष्ठुरता या नासमझी!

संकट के समय में किसी भी तरह का फैसला जनता के हित को ध्यान में रखकर लेना चाहिए। देश और दुनिया में इस वक्त सबसे बड़ी विपत्ति कोरोना महामारी का भयावह रूप है, जिसके खूनी पंजे के झपट्टे में अमीर और गरीब हर कोई आ रहा है। वह किसी को भी नहीं बख्श रहा है। चुनांचे होना तो यह चाहिए कि केंद्रीय सत्ता ऐसा निर्णय लेती, जिससे न केवल जनता को राहत मिलती बल्कि उसे राजसत्ता पर अटूट भरोसा भी जगता, मगर अफसोस ऐसा हो नहीं रहा है। कुछेक फैसले ने वाकई शासन के अच्छे फैसले को कमतर किया है। ऐसा न होता तो ज्यादा बेहतर होता।

कोरोना की इस बार की खूनी लहर को लेकर सत्ता पक्ष भले यह दलील दे कि इतना बदतर भी होगा, इसकी जानकारी किसी को भी नहीं थी। चलिए, मान लिया। किंतु आपने कुछ फैसले तो निश्चित तौर पर हाहाकारी लिये। मसलन; उत्तर प्रदेश में अगर पंचायत चुनाव नहीं कराया जाता तो कोई प्रलय नहीं आ जाता। न केवल इस अनर्थकारी फैसले के चलते 706 शिक्षकों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा, बल्कि उनके परिवारवालों पर क्या बीत रही है? इसकी सुध कौन लेगा? आखिर क्यों यह 'खूनी चुनाव' कराया गया? शिक्षक संघ ने तो मृत शिक्षकों की सूची जारी कर सरकार से जवाब मांगा है कि कोरोना की जबरदस्त लहर के बीच आखिर क्यों चुनाव कराए गए? यहां तक कि उत्तर प्रदेश के आईएएस अफसरों के एक व्हाट्सएप ग्रुप में कई जिलाधिकारियों ने पंचायत चुनाव को गैरजरूरी बताते हुए कहा था कि इसे इन हालात में नहीं कराना चाहिए। यानी जो काम इस वक्त नहीं करना चाहिए था वो ठसक के साथ किया गया। वहीं महामारी के बीच सेंट्र्ल विस्टा प्रोजेक्ट को पर्यावरण संबंधी सारी मंजूरी दे दी गई है? जबकि अन्य तमाम तरह की गतिविधियों पर अंकुश लगा हुआ है। केंद्र ने सेंट्र्ल विस्टा प्रोजेक्ट को आवश्यक सेवाओं के तहत रखा है, ताकि लॉकडाउन जैसी पाबंदियों के दौरान भी इसका काम न रुके। जब अस्पतालों, ऑक्सीजन और दवाओं को लेकर सरकार संकट झेल रही है, तो उस वक्त ऑक्सीजन, बेड और अन्य जरूरी संसाधन जुटाने की बजाय सरकार प्रोजेक्ट पर पानी की तरह पैसे बहा रही है। क्यों भाई? अगर प्रधानमंत्री खुद बड़ा दिल दिखाते और ऐसे गाढ़े वक्त में निर्माण कार्य पर रोक लगाते तो उनकी छवि बेहतर ढंग से निखरती, मगर उन्होंने यहां भी कंजूसी दिखाई। इसी तरह कई तरह के चिकित्सीय उपकरणों पर टैक्स भी वसूला गया है। यानी निर्ममता चरम पर है।

# संकट के समय में सामाजिक संगठन

हरजिंदर

कहते हैं, इतिहास खुद को दोहराता है। अगर हम एक सदी पहले फैली महामारी स्पेनिश फ्लू की तुलना कोविड-19 से करें, तो कई मामलों में सचमुच ऐसा ही लगता है। बावजूद इसके कि इस बीच विज्ञान और शासन-विज्ञान ने काफी तरक्की कर ली है। निस्संदेह, सन 1918 की स्पेनिश फ्लू की त्रासदी ज्यादा बड़ी थी। वह कितनी भयावह थी, इसका अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि उसके बाद जब 1921 में देश में जनगणना हुई, तो 1911 की जनगणना के मुकाबले आबादी कम हो गई थी। पूरे भारतीय इतिहास में इसके पहले या बाद में ऐसा कभी नहीं हुआ। इसे छोड़ दें, तो उस त्रासदी के कई सबक बहुत महत्वपूर्ण हैं। एक तो सरकार उस त्रासदी की भयावहता का सामना करने में पूरी तरह से अक्षम साबित हुई थी। लेकिन दूसरी चीज ज्यादा महत्वपूर्ण है कि उस दौरान बहुत से सामाजिक संगठन सामने आए थे और उन्होंने तकरीबन पूरे देश में लोगों की वास्तविक मदद की थी।

इनमें से ज्यादातर के नाम और काम हम नहीं जानते, क्योंकि वे कहीं भी किताबों में दर्ज नहीं हैं। लेकिन कुछ नाम जो सामने आते हैं, वे हमारी सामाजिक चेतना और सेवा-भावना की सही तस्वीर हमारे सामने रखते हैं। फिलहाल हम ऐसे तीन नामों का जिक्र करेंगे, जिनकी कहानी बताती है कि बड़ी त्रासदी के वक्त हमारा समाज उसका मुकाबला कैसे करता है। इनमें से पहले दो नाम दो भाइयों के हैं- कल्याणजी मेहता और कुंवरजी मेहता। और तीसरा नाम है दयालजी देसाई का। ये तीनों नाम गुजरात के हैं, लेकिन जो चीज इन्हें आपस में जोड़ती है, वह है गांधी के सत्याग्रह और अहिंसा के प्रति समर्पण। इसी वजह से ये तीनों 1918 के खेड़ा सत्याग्रह में भी शामिल हुए थे। तीनों कांग्रेस के सूरत अधिवेशन में भी शामिल हुए थे। मेहता बंधु सरकारी अधिकारी थे और दोनों ने एक साथ नौकरी छोड़कर अपना आश्रम स्थापित किया, जो आज भी मौजूद है। उन्होंने पटीदार युवा मंडल की स्थापना करके युवाओं को संगठित करने की कोशिश की और अपने आश्रम में युवाओं को राष्ट्रवाद की शिक्षा दी। दूसरी तरफ, दयालजी देसाई ने भी इन्हीं कामों को अपने ढंग से शुरू किया और उनके आश्रम में भी युवाओं को राष्ट्रवादी बनाने का काम किया गया। स्पेनिश फ्लू महामारी के फैलते ही ये तीनों अपने-अपने ढंग से सक्रिय हो गए। इन तीनों के पास अच्छी संख्या में समर्पित युवा थे और दरअसल, वही उनकी ताकत बने। दो काम सबसे जरूरी थे, लोगों को महामारी के प्रति जागरूक बनाना और उन तक दवा पहुंचाना। इसके लिए वे घर-घर गए। दयालजी देसाई के बारे में कहा जाता है कि वह साइकिल पर बैठकर खुद गांव-गांव जाते थे। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि वह लोगों को कौन सी दवा देते थे? स्पेनिश फ्लू की तब तक कोई दवा नहीं थी। ज्यादा संभावना यही है कि उन्होंने कोई आयुर्वेदिक दवा ही लोगों को दी होगी। वह दवा कितनी कारगर थी हम नहीं जानते, लेकिन एक मुश्किल दौर में उन्होंने जिस तरह से समाज को जोड़कर रखने का काम किया, वह ज्यादा महत्वपूर्ण है। इन तीनों ने जो सबसे महत्वपूर्ण काम किया, वह था महामारी में मारे गए लोगों के अंतिम संस्कार की व्यवस्था करना। तमाम अफवाहों और अज्ञात भय के बीच लोग उस समय अपने परिजनों के पार्थिव शरीर को वैसे ही छोड़कर चले जाते थे। इनकी पहल ने धीरे-धीरे लोगों के भ्रम दूर किए और फिर लोग अपने परिजनों के अंतिम संस्कार के लिए खुद आगे आने लगे। एक सदी बाद आज फिर से इन चीजों को याद करना इसलिए जरूरी है कि इस बार भी देश भर में जिस तरह से विभिन्न सामाजिक संगठन लोगों की मदद के लिए सामने आए, वह बताता है कि कठिन दौर में समाज को जोड़े रखने का हमारा जज्बा अब भी पहले की तरह बरकरार है। जब पूरा देश मरीजों के लिए ऑक्सीजन के संकट से जूझ रहा था, तब जिस तरह से ऑक्सीजन का लंगर चलाया गया, वह बताता है कि सेवा-भावना ही नहीं, बल्कि लोगों तक सेवा पहुंचाने की हमारी रचनात्मकता भी किसी से कम नहीं है।

कोविड-19 के संकट ने यह भी बताया है कि हमारी सरकारें भले त्वरित कार्यबल, त्वरित कार्यवाही जैसी बातें करती हों, लेकिन वे सब आखिर में नौकरशाही के जाल में फंसकर रह जाती हैं। लोगों को त्वरित राहत देने का काम, सीमित संसाधनों के बावजूद जिस तेजी और जिस सटीकता से हमारे सामाजिक संगठन कर सकते हैं, सरकारें उसके बारे में सोच भी नहीं सकतीं। इसलिए इन प्रयासों की जितनी तारीफ की जाए, कम है। लेकिन एक दूसरा सच यह है कि इस तरह के प्रयास चाहे जितने भी हों, वे सरकार की भूमिका के विकल्प नहीं बन सकते। हम 21वीं सदी के जिस दौर में हैं, उसमें उम्मीद की जाती है कि राज्य कल्याणकारी होगा और संकट या किसी भी आम समय में लोगों तक किसी भी तरह की राहत पहुंचाने का काम अंत में सरकारों को ही करना होगा। दुर्भाग्य से, जिस समय हम अपने सामाजिक संगठनों को लेकर गर्व महसूस कर रहे हैं, सरकारों के बारे में हमारी धारणा ऐसी नहीं बन पा रही। यह दुर्भाग्य इसलिए भी बड़ा है कि एक सदी पहले इस देश में जो सरकार थी या जो राज्य था, महामारी आने पर उसके हाथ-पांव फूल गए थे। बेशक, हालात अब उतने बुरे नहीं हैं। तमाम अदालती कोशिशों और लोगों के दबाव के कारण सरकारों को सक्रिय होना पड़ा है, और राहत भी कुछ लोगों तक पहुंचनी शुरू हुई है। लेकिन सच यही है कि समस्या जितनी बड़ी है, उसके मुकाबले सरकार की तैयारियां और उसके संसाधन काफी कम साबित हुए हैं। कम या ज्यादा, कमोबेश यही स्थिति एक सदी पहले भी थी। या हो सकता है कि उस समय तैयारियां व संसाधन और भी भीषण रूप से कम रहे हों। हो सकता है कि एक सदी में यह अनुपात काफी हद तक बदल गया हो; लेकिन जरूरत इस अनुपात को ही नहीं, इसकी गुणवत्ता को बदलने की थी। स्वास्थ्य-सेवा के मामले में एक यही चीज नहीं बदली। अब पहली प्राथमिकता इसे बदलने की ही होनी चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

> जिस समय हम अपने सामाजिक संगठनों को लेकर गर्व महसूस कर रहे हैं, सरकारों के बारे में हमारी धारणा ऐसी नहीं बन पा रही। यह दुर्भाग्य इसलिए भी बड़ा है कि एक सदी पहले इस देश में जो सरकार थी या जो राज्य था, महामारी आने पर उसके हाथ-पांव फूल गए थे।

## अंतर्मन

# उम्मीद के बल पर मुश्किलों पर जीत

अमिताभ स.

'उम्मीद कीजिए अगर उम्मीद कुछ नहीं...' किसी शायर ने हर हाल में उम्मीद बरकरार रखने के लिए क्या खूब फरमाया है। जिंदगी तमाम दुश्वारियों से भरी हुई है। बावजूद इसके इनसान जिंदगी और मौत में से जिंदगी को ही चुनता है, या चुनना चाहता है। दुखों के बीच भी आशा क़ायम रहती है और रहनी भी चाहिए। यही उम्मीद है कि जीने के बहाने लाखों हैं। उम्मीद की डोर थामने से ही इनसान अंदरूनी ताकत से लबालब हो उठता है। मुश्किल से मुश्किल दौर में यही अंदरूनी शक्ति इनसान को धुप्प अंधेरी सुरंग से खींच कर बाहर निकालने का दमख़म रखती है। किताबें, प्रवचन, सिनेमा, कलाकृतियां, दोस्त-गुरु आदि की मदद से अपने भीतर बख़ूबी उम्मीद के बीज बोए जा सकते हैं। ख्याल रहे कि केवल इनसान को ही 'ह्यूमन बींइग' कहते हैं। 'बीइंग' का मतलब है कि आप में वैसे होने की क्षमता है, जैसा आप होना चाहते हैं।

स्कूलों के अंग्रेज़ी पाठ्यक्रम में कथात्मक ओ हेनरी की एक लघुकथा है 'द लास्ट लीफ़।' उम्मीद को पकड़ कर, मौत के मुंह से बच कर निकलने की सबसे प्रेरक कहानी कह सकते हैं। कड़ाके की ठंड के दिनों में, शहर में जानलेवा निमोनिया फैला था। एक लड़की इसकी चपेट में आ गई। दवाइयां ने असर करना छोड़ दिया। लड़की बिस्तर से खिड़की के बाहर झांकती रहती। सोचती रहती कि सामने की बेल का जब आखिरी पत्ता गिर जाएगा, तो वह भी नहीं बचेगी। लेकिन अनहोनी हो गई। आखिरी पत्ता सही-सलामत रहा, न गिरा, न ही मुर्झाया। इस बीच आंधी तक आई और पानी भी खूब बरसा। देख-देख लड़की एकदम ठीक हो गई। बाद में जाहिर हुआ कि दीवार पर चढ़ी बेल का आख़िरी पत्ता एक माहिर पेंटर ने अपनी रंगों की कूची से बनाया था। यानी आखिरी पत्ता बेशक नकली था।

दूसरे शब्दों में, उम्मीद के साथ जीने से नामुमकिन भी मुमकिन हो जाता है। महात्मा बुद्ध यूं समझाते हैं कि पहले अपने मन को जीतो, फिर तुम असलियत में जीत जाओगे। उम्मीद की बड़ी अहमियत है क्योंकि इसके सहारे मौजूदा परिस्थितियों और वक्त को सहन करना सरल होता है। अगर हम मान लें कि कल ज़्यादा बेहतर होगा, तो आज हम ज्यादा शक्तिपूर्वक और प्रभावी ढंग से विपदाओं को सह सकते हैं। नाउम्मीदी से मनोबल घटता है, जबकि उम्मीद को जिंदा रखने से बढ़ता है। विकट से विकट परिस्थिति कभी ख़राब नहीं होती, लेकिन हमें उनसे निपटना नहीं आता। मिसाल के तौर पर, पानी से कोई नहीं मरता, मरते तब हैं, जब हमें तैरना नहीं आता। सद्गुरु जग्गी वासुदेव के शब्द भी सही हैं कि इनसान जितनी ज़्यादा सुरक्षा खोजता है, वह अपने जीवन के बदलाव को लेकर उतना ही अधिक परेशान रहता है। उम्मीद, कोशिश और प्रार्थना में से क्या चुना जाए? सयाने बताते हैं कि पहले उम्मीद पैदा कीजिए, फिर कोशिश में जुटिए और आखिर में प्रार्थना कीजिए। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कविता की पक्तियां हैं, 'छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता/ टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता...' उम्मीद का दामन थाम कर, बचाव में किए छोटे-छोटे प्रयास भी वाक़ई बड़े साबित होते हैं। कहानी है कि एक दफा जंगल धू-धू कर जलने लगा। जानवरों में हड़कंप मच गया। जानवर जंगल से निकल कर भागने लगे। सभी गहरे सदमे और अफ़सोस में डूब गये, मूकदर्शक बन कर ताकने लगे। लेकिन एक नन्ही-सी गौरैया जुट गई। वह उड़ती नदी किनारे जाती और अपनी चोंच में कुछ बूंदें भर कर ऊपर आकाश से अपनी चोंच खोल कर जलते पेड़ों पर उढ़ेल देती। वह घंटों ऐसा करती रही। कोई जानवर या पक्षी उसके साथ नहीं लगा, उल्टा उसे नाउम्मीदी के भाव से ताने कसने लगे। एक बोला, 'इतना विशाल जंगल और तुम नन्ही-सी? 'दूसरा कहता, 'अरे! बचना। कहीं तुम्हारे पंख ही न जल जाएं।' गौरैया सोचने लगी कि उसके सभी साथी कितने निराशावादी हैं। पानी की बूंदें ले जाने के लिए उड़ान भरते-भरते गौरैया ने पीछे मुड़कर कर जवाब दिया, 'मैं जो कर सकती हूं, कर रही हूं।'

बिल्कुल हर हाल में दिमाग का मिज़ाज ठंडा रखना है। हर सम्भव प्रयास करते जाना है। निराशा के भाव को घेरने नहीं देना। तय है कि आशा करते-करते ही निराशा छंटेगी, क्योंकि वैज्ञानिक तथ्य है कि उम्मीदी की प्रबल सोच से दो-तिहाई समस्याओं के समाधान खुद-ब-खुद निकलते जाते हैं। मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि बड़ी से बड़ी समस्या से उतनी विपदा नहीं है, जितनी विपरीत सोच से है कि अब कुछ नहीं हो सकता। इसलिए सदा सुलझने की उम्मीद जगाना लाजमी है। यह भी समझना ज़रूरी है कि समय हर रोग का इलाज हरगिज नहीं है। समय तो महज मलहम का काम करता है और हमें सिखाता है कि दर्द के साथ जीना कैसे है। जिंदगी के कुछ सत्यों को हमेशा दिलोदिमाग़ में संजोए रखने से सुकून मिलता है। पहला, कि हमेशा युवा नहीं रहेंगे, बूढ़ा होना ही है। दूसरा, हमेशा स्वस्थ नहीं रह सकते, न ही सदा अस्वस्थ रहेंगे। तीसरा, कोई हमेशा साथ नहीं रहेगा। यानी जो आज तुम्हारे साथ है, ज़रूरी नहीं कि वह हमेशा ही साथ रहे। और चौथा है, कोई सदा जीवित नहीं रहता। इन बातों को मन में बांध कर रखने से आस नहीं टूटती।

# गरीबों की मदद करने के बजाए उन्हें सक्षम बनाएं, तब जाकर जड़ से मिट पाएगी देश से गरीबी

जैसा कि हम सभी जानते हैं, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से सतत् विकास के 17 लक्ष्यों की ऐतिहासिक योजना शुरू की है। इसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक अधिक संपन्न, समर्थ, सक्षम, समतावादी और संरक्षित विश्व की रचना करना है, जिस ओर हमारा भारत भी कदम बढ़ा चुका है। 2030 के भारत के सतत विकास के इन लक्ष्यों के अंतर्गत ऐसे विषय शामिल किए गए हैं, जिनसे हम लम्बे समय से जूझ रहे हैं, जैसे गरीबी, भुखमरी, शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, जलवायु, अन्य प्राणियों, जल और पेड़-पौधों की सुरक्षा, आर्थिक वृद्धि, औद्योगिक विकास तथा अन्य। यदि हम बात करें पहले लक्ष्य यानि शून्य गरीबी की, तो अतीत के साथ ही आज भी हमारे देश में लाखों लोग ऐसे हैं, जिनके पास तन पर पहनने के लिए कपड़ा और खाने के लिए रोटी नहीं है। यदि वास्तव में इस लक्ष्य की प्राप्ति करना हमारा उद्देश्य है, तो गरीबों की मदद करने के बजाए उन्हें सक्षम बनाएं, जिससे कि आने वाले समय में वे अपने से ऊँचे ओहदे वाले लोगों के सामने झुककर नहीं, बल्कि गर्व से सीना तानकर खड़े हों। सही मायने में यही उनके लिए सबसे बड़ी मदद होगी।

अतुल मलिकराम कहते हैं कि 2030 के भारत के लक्ष्य के तहत गरीबी को जड़ से खत्म करने के लिए सिर्फ सरकार ही नहीं, बल्कि हर एक देशवासी को अपना योगदान देना होगा और हर एक नागरिक को इसके प्रति आज से ही जिम्मेदार होना होगा। हमें यह समझना होगा कि गरीब पहले ही अपनी आर्थिक कमजोरी के बोझ तले दबे हैं, उन्हें सब्सिडी देकर और अधिक लाचार बनने को मजबूर न करें, बल्कि उनके लिए बेहतर चिकित्सा और शिक्षा के ठोस नियम बनाएं जाएं। किसानों की फसलों हेतु भरपूर पानी की प्राप्ति के लिए नहरों आदि का निर्माण कराएं। साथ ही बिजली आदि जैसी समस्याओं का निवारण किया जाए। इस प्रकार की सभी मूलभूत आवश्यकताएं पूरी करके उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने लायक बनाएं और उनका मनोबल बढ़ाएं।

अब समय आ गया है कि देश से गरीबी को पूर्ण रूप से खत्म करने के लिए उपरोक्त विषयों के तहत सख्त नियम तथा कानून बनाए जाएं, और इन पर गंभीरता से अमल करने के साथ ही कड़ी कार्रवाई की जाए। देश का हर एक नागरिक इतना शिक्षित हो कि अपना और अपने परिवार का पेट भरने में सक्षम हो सके। इस प्रकार कोई भी व्यक्ति जरुरत की किसी भी वस्तु के लिए किसी अन्य पर निर्भर नहीं होगा, और साथ ही अपने परिवार का भरण-पोषण भी खुशहाली से कर सकेगा। इसके साथ ही किसानों को अपनी मेहनत का पूरा पैसा दिया जाना चाहिए, ताकि वे निर्भर बनने के बजाए समृद्ध बन सकें। एक कानून यह भी हो कि देश में बनाई जा रही इस प्रकार की हर एक योजना का लाभ सबसे पहले गरीबों को मिलना चाहिए, जिससे उनका आत्मबल दोगुना हो सके। इन योजनाओं का बीच में हाथ रोकने या स्वयं लाभ लेने वाले शैतानी तत्वों को कड़ी से कड़ी सजा सुनाई जानी चाहिए। तब जाकर भारत वर्ष 2030 तक बन सकेगा गरीबी मुक्त देश।

# लेटेस्ट ट्रेंड के हिसाब से सजाएं बच्चों का कमरा

घर सजाने में भले ही कम समय लगता हो लेकिन बच्चे का कमरा डैकोरेट करते समय बहुत कुछ सोचना पड़ता है। छोटे बच्चे शरारती होते है इसलिए उनके कमरे को उनकी आदतों के अनुसार ही सजाना पड़ता है। कमरे की डैकोरेशन ऐसी होनी चाहिए जिसमे वह आसानी से छोटे-छोटे खेलों को खेल सके इसके अवाला बेड की ऊंचाई भी ध्यान में रखनी चाहिए ताकि बच्चे आराम से अपने कमरे में रह सकें। आज हम आपको बच्चों के कमरे के लेटेस्ट डिजाइन दिखाएंगे जो कि अरामदायक और देखने में खूबसूरत है। अगर आप भी बच्चों के कमरे की डैकोरेशन को लेकर परेशान हैं तो यहां से आइडिया ले सकते हैं।

अगर आपका बच्चा थोड़ा चंचल स्वभाव का है तो इस तरह से कमरे को सजा सकते हैं। बैड के इर्द- गिर्द बच्चे के पसंदीदा रंग के पर्दे लगाएं। इसके साथ ही बेड पर खिलौने भी रख सकते हैं। इस तरह से सजा कमरा बच्चे को बेहद पसंद आएगा।

कुछ बच्चे बेहद शांत स्वभाव के होते हैं। उनके लिए सिंपल तरके से सजा कमरा बैस्ट ऑप्शन है। अगर आपके घर में दो बच्चे हैं तो दोनों के एक ही कमरे में अलग- अलग बेड दें ताकि उनको सोने में परेशानी न हो।

लाल, नीला और पीले रंग का कॉम्बिनेशन बच्चों को बेदह प्यारा लगता है। आप डबलबेड भी बच्चों के कमरे में लगा सकते हैं। मगर ध्यान रहें की बड़े बच्चे को ऊपर और छोटे को नीचे सोने को कहें।

बच्चे को कमरे को अलग रूप देने के लिए इस तरह के फनी रंगो से सजाएं। अगर आप चाहें तो इस पर कोई अच्छी सी चित्रकारी भी करवा सकती हैं।

जिन बच्चो को जंगली जानवर अच्छे लगते हैं उनके लिए आप जू ट्रिप थीम वाला कमरा सजा सकती हैं। इस तरह से डैकोरेट रूम बच्चे को बेहद अच्छा लगेगा। बच्चे के कमरो को खिलौने से इस तरह से सजा सकती हैं। कमरे में इस तरह रखे खिलौने देखे में बेहद प्यारे लगेगें।

आजकल 3D आर्ट डेकोर स्टाइल बहुत चलन में है। बच्चों को भी कमरे की इस तरह की सजावट बेहद अच्छी लगती है।

# याद रखें ये छोटे-छोटे नुस्खे बच्चे से हर समस्या रहेगी दूर

**भले ही आप बच्चे की परवरिश में कोई कसर न छोड़ें, लेकिन लाख सावधानियां बरतने के बाद भी कोई न कोई गलती हो ही जाती है। बच्चों की परवरिश करना आसान काम नहीं है क्योंकि बच्चे बेहद नाजुक और संवेदनशील होते हैं। बदलते मौसम में उन्हें सर्दी, खांसी और त्वचा संबंधी कई प्रॉबल्म भी हो सकती है। ऐसे में उन्हें खास केयर की जरूरत होती है, ताकि उन्हें इन परेशानियों से बचा कर रखा जा सकें।**

अक्सर छोटे बच्चे बीमार होते है तो सबसे ज्यादा मां टेंशन में पढ़ जाती है, उनकी सेहत सुधारने में लगी रहती है, लेकिन जरूरी नहीं है कि छोटी-छोटी बीमारियों के लिए बच्चों को डॉक्टर के पास ले जाया जाए, बल्कि आप कुछ छोटे-छोटे नुस्खे इस्तेमाल करके भी बच्चे को इन परेशानियों से बचाए रख सकते है। आज हम आपको बच्चों की सेहत दुरुस्त रखने के कुछ टिप्स बताएंगे, जो हर मां को पता होने चाहिए।

### शरीर में खुजली

अगर बच्चे की शरीर में खुजली हो रही है तो उसके नहाने के पानी में ओट्स मिला दें। यह उन बच्चों के लिए भी काफी मददगार है, जिन्हें चिकनपॉक्स की समस्या रहती है। खुजली से राहत मिलती है।

### सर्दी भगाएं हल्दी-दूध

बच्चों को जल्दी सर्दी लग जाती है। ऐसे में उसे दूध में हल्दी मिलाकर पिलाएं। इससे बच्चों को काफी राहत मिलेगी।

### हिचकी आने पर चीनी

जब बच्चे की हिचकियां रूकने का नाम ही नहीं लेती तो मां अक्सर चिंता में पड़ जाती है। इस तरह की परेशानी में परेशान न हो बल्कि बच्चे को एक चम्मच चीनी खिला दें। चीनी खाने से डायफरग्राम की मांसपेशियों को राहत मिलती है और हिचकी रुक जाती है।

### गले में खराश

अगर बच्चे के गले में खराश और दर्द है तो उसे 1 चम्मच शहद चटाएं। इससे गले की खराश पैदा करने वाले कीटाणुओं को संमाप्त होते है और यह स्वाद में मीठा होने के कारण बच्चों को पसंद भी बेहद आता है।

### पाचन क्रिया दुरुस्त

अगर बच्चे का हाजमा खराब है तो भी बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बच्चों को नींबू चटाएं, इससे दस्त की समस्या दूर रहेगी क्योंकि नींबू में साल्विया के निर्माण में कमी आती है और दस्त में आराम मिलता है।

# बचपन में ही बच्चे को सिखाएं बचत की अहमियत

आपको पैसे की कमी हो या न हो बच्चों को पैसे की अहमियत समझानी बहुत जरूरी बात है ताकि आगे जाकर उन्हें अपनी जिंदगी में फाइनेशियल प्रॉब्लम न आएं। उन्हें पैसे की बचत करने की आदत डालनी चाहिए। आप उन्हें यह आदत अपनी मेहनत की बातें बता कर भी डाल सकते हैं। पढ़ाने-लिखाने के साथ उन्हें यह समझाना बहुत जरूरी है कि पैसा कमाने के लिए कितनी मेहनत करनी पड़ती है। ये बातें उन्हें बचपन से ही सिखानी चाहिए ताकि आपको भविष्य में उनकी कोई परेशानी न हो। बचत की आदत से उनकी जिंदगी परफैक्ट हो सकती हैं। वह अपने हर सपने का पूरा कर सकते हैं। आइए जानिए आप उन्हें किन बातों द्वारा बचत की आदत डाल सकते हैं।

### अपनी मेहनत करने की बातें बताएं

बच्चों को बचत की आदत डालने के लिए उन्हें यह बताना बहुत जरूरी होता कि पैसा किस तरह से मेहनत करके कमाया जाता है। आप उन्हें यह जरूर बताएं कि आप किस तरह मेहनत करके एक-एक पैसा जोड़ते हैं। इसके लिए उन्हें शुरू से मेहनत करने की आदत डालें। उनसे घर के छोटे-छोटे काम करवाएं। इस तरह उन्हें भी मेहनत करने की आदत पड़ेगी और पैसे की अहमियत समझ आएगी।

### पॉकेट मनी से बचत करें

बच्चों को पॉकेट मनी से बचत करने की आदत डालें। इस आदत के लिए उन्हें यह लालच दें कि बचाए हुए पैसे से वह अपनी मनपसंद की चीज खरीद सकते हैं या फिर कभी जरूरत पड़ने पर खर्च कर सकते हैं।

### जरूरत और चाहत में फर्क बताएं

बचत करने की आदत डालने के लिए बच्चों को जरूरत और चाहत में फर्क बताना बहुत जरूरी है। उन्हें यह बताए कि जरूरत के अनुसार ही किसी भी चीज को खरीदें। चाहत तो बहुत कुछ पाने की होती है। उन्हें पैसे देकर अकेले खरीददारी करने के लिए भेजे और देखें कि वह किस तरह जरूरत के अनुसार चीजें खरीदते हैं, अगर वह कोई एक्सट्रा चीज खरीदते हैं तो उसे डांटने की बजाय समझाएं।

### बचत से हेल्प करनी सिखाएं

बचत करने की आदत बच्चे में स्वार्थ की भावना भी पैदा कर सकती है इसलिए उसे जमा किए पैसे से किसी भी जरूरतमंद की मदद करनी सिखाएं। आपको जरूरत हो या न हो शुरू से ही उनसे कभी-कभी अपने लिए मदद लें।

### गिफ्ट दें

बच्चों को उनके बचाएं पैसे से उनके पसंदीदा गिफ्ट लाकर दें, जिसे देख कर वह खुश हो जाएंगे और उन्हें बचत करने की आदत पड़ेगी।

# बच्चों की डाइट में शामिल करें ये जूस, दिमाग होगा तेज

मां- बाप यही चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़ने में होशियार हो ताकि वह दुनिया के साथ कदम से कदम मिलकार चल सके। आजकल तो वैसे भी फाइनल एग्जाम चल रहें। मां- बाप इस समय बच्चों की डाइट का खास ध्यान रखते हैं ताकि उनको अच्छे से अच्छे नंबर मिलें। मगर कई बार बच्चा कोशिश करने के बाद भी पेपर के समय सब कुछ भूल जाता है। अगर आप भी चाहती हैं कि बच्चे का दिमाग तेज हो और वह अच्छे नंबरों के साथ पास हो तो उनको डाइट में ये ड्रिंक जरूर शामिल करें। इनको पीने से कुछ दिनों में बच्चे कि स्मरण शक्ति बढ़ जाएगी।

### अनार का जूस

अनार में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते है जो ब्रेन सेल्स को खराब होने से बचाता है।

अगर आपका बच्चा पढ़ाई लिखाई में थोड़ा सा कमजोर है तो रोजाना उसको अनार का जूस पीने को दें। लगातार अनार का जूस पीने से कुछ दिनों में आपको अपने बच्चे में फर्क दिखाई देने लेगा।

### बादाम शेक

बादाम में प्रोटीन काफी मात्रा में होता है जो ब्रेन की ग्रोथ बढ़ाने में फायदेमंद होता है। रोजाना ये शेक पीने से बच्चे का दिमाग तेज होने के साथ ही उसका पेट भी सही रहता है।

### एलोवेरा जूस

इसमें विटामिन B6 बहुत ज्यादा पाया जाता है। इसको पीने से यादाशत तेजी से बढ़ती है। ये पीने में टेस्टी नहीं होता मगर बच्चे के दिमाग के लिए बेस्ट टॉनिक होता है। अगर आपका बच्चे को उसका स्वाद पसंद नही आता तो आप अमरूद के जूस में एलोवेरा मिलाकर दे सकते हैं।

### ग्रीन टी

ग्रीन टी पॉलीफेनॉल्स का गुण होता है जो दिमाग को शार्प करने के साथ ही इसको फ्रेश रखने का काम भी करता है।

### संतरे का जूस

संतरे में फ्लेवोनाइट्स होते है जो दिमाग को एक्टिव रखता है। एक गिलास संतरा का जूस पीने से बच्चा को पूरा दिन उत्साह के साथ गुजरेगा।

### चुकंदर का जूस

चुकंदर का जूस पीने से ब्लड सर्कुलेशन तेजी से होने लगता है। यह जूस दिमाग को तेज करने के साथ ही डेमेंशिया यानी मेमोरी लौस से भी बचाता है।

### टमाटर का जूस

टमाटर में विटामिन डी, सी और ए की अच्छी मात्रा पाई जाती है। यह जूस त्वचा में निखार लाने के साथ ही दिमाग भी तेज करता है।

### नारियल पानी

गर्मियों के मौसम में नारियल पानी से पूरा शरीर तरोताजा रहता है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि इसको रोजाना पीने से दिमाग तेज होने के साथ ही एकाग्रता भी बढ़ती है।

## सिप्ला ने कोविड-19 की दवा बनाने, बेचने के लिए एली लिली के साथ समझौता किया

**नई दिल्ली:** दवा विनिर्माता सिप्ला ने सोमवार को कहा कि सोमवार को कहा कि उनसे अमेरिकी कंपनी एली लिली एंड कंपनी के साथ देश में कोविड-19 के इलाज में उपयोगी दवा बार्सिक्टिनिब को बनाने और बेचने के लिए एक समझौता किया है। सिप्ला ने बताया कि उसने बार्सिक्टिनिब के लिए एली लिली के साथ एक रॉयल्टी-मुक्त, गैर-विशेष स्वैच्छिक लाइसेंसिंग समझौता किया है। बार्सिक्टिनिब को पहले ही स्वास्थ्य मंत्रालय के केंद्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से सीमित आपातकालीन उपयोग की मंजूरी मिल चुकी है।

## फेडरल बैंक ने यूएई से भारत धन हस्तांतरण के लिए मशरेक बैंक के साथ गठजोड़ किया

**नयी दिल्ली,** फेडरल बैंक ने सोमवार को कहा कि उसने यूएई से भारत तत्काल धन हस्तांतरण के लिए मशरेक बैंक के साथ गठजोड़ किया है। फेडरल बैंक ने एक बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत मशरेक के भुगतान उत्पाद क्विकरेमिट का समर्थन किया जाएगा, जिसकी शुरुआत 2017 में हुई थी। मशरेक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सबसे पुराने बैंकों में एक है और 12 देशों में इसकी मौजूदगी है। फेडरल बैंक की कार्यकारी निदेशक शालिनी वॉरियर ने इस गठजोड़ पर कहा, ''हम मशरेक बैंक, यूएई के साथ साझेदारी से उत्साहित हैं, जिसके तहत यूएई से भारत को कम लागत पर तत्काल धन हस्तांतरण किया जा सकेगा।''

## रुपये की दर प्रति डालर और 16 पैसे जबूत हो 73.35 पर

**मुंबई,** वैश्विक मुद्राओं के समक्ष डॉलर के कमजोर होने और घरेलू शेयर बाजार में तेजी जारी रहने के बीच अमेरिकी मुद्रा के समक्ष रुपये में लगातार तीसरे दिन सोवमवार को सुधार रहा और रुपये की विनिमय दर 16 पैसे मजबूत हो 73.35 (अनंतिम) प्रति डॉलर पर बंद हुई। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में डॉलर- रुपया दर 73.34 पर खुली। दिन में डालर 73.50-73.76 के बीच रहा। बाजार बंद होने के समय विनिमय दर 73.35 रुपये प्रति डॉलर थी। यह रुपये में 16 पैसे की मजूती दर्शाता है। शुक्रवार को डालर का बंद भाव 73.51 रुपये था। तीन दिन में रुपये में कुल 56 पैसे की तेजी आई है। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत घटकर 90.15 रह गया। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 295.94 अंक की तेजी के साथ 49,502.41 अंक पर बंद हुआ। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने शुक्रवार को 1,142.75 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की। खनिज तेल बाजार में ब्रेंट क्रूड वायदा 0.51 प्रतिशत बढ़कर 68.63 डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था।

# दिल्ली और टोक्यो के बीच नॉन-स्टॉप उड़ानें शुरू करेगी विस्तारा

**नई दिल्ली ।**

विमानन कंपनी विस्तारा ने सोमवार को कहा कि वह भारत और जापान के बीच 16 जून से विशेष नॉन स्टॉप उड़ान शुरू करेगी। बयान में कहा गया कि यह उड़ान विमान सेवाओं के लिए हुए समझौते के तहत दिल्ली-टोक्यो रूट पर दोनों देशों की राजधानियों के बीच सप्ताह में एक दिन संचालित होगी। विस्तारा ने बयान में कहा कि वह इस उड़ान के लिए बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान का इस्तेमाल करेगी। एयरलाइन कंपनी अपने नए अधिग्रहीत बोइंग विमान का उपयोग करेगी, जिसमें थ्री-क्लास केबिन की सुविधा है। इस विमान में बिजनेस क्लास और इकोनॉमी क्लास के साथ ही प्रीमियम इकोनॉमी क्लास का विकल्प भी मिलता है। इस तरह के विकल्प की पेशकश करने वाली विस्तारा अकेली भारतीय वाहक है। विस्तारा ने जापान के यात्रियों को बेहतरीन आतिथ्य सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से अपने केबिन क्रू को जापानी भाषा में भी प्रशिक्षित किया है। विस्तारा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लेस्ली थेंग ने कहा, हम ट्रैवल बबल के साथ और अपने अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क में जापान को जोड़ने को लेकर खुश हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि कंपनी उनके ग्राहकों के लिए सुरक्षा और स्वच्छता के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए सर्वश्रेष्ठ भारतीय आतिथ्य सेवा प्रदान करेगी। सभी चैनलों पर उड़ानों के लिए बुकिंग खोली जा रही है, जिसमें विस्तारा की वेबसाइट, मोबाइल ऐप और ट्रैवल एजेंट शामिल हैं। दिल्ली और टोक्यो के बीच राउंड-ट्रिप किराया 45,000 रुपये (इकोनॉमी क्लास) से लेकर लगभग 1,50,000 रुपये (बिजनेस क्लास) तक है। प्रीमियम इकोनॉमी रिटर्न टिकट की कीमत लगभग 74,000 रुपये निर्धारित की गई है।

## राष्ट्रीय परिसंपत्ति पुनर्गठन कंपनी अगले महीने काम शुरू करेगी: आईबीए सीईओ

**मुंबई।** इस साल आम बजट 2021-22 में घोषित राष्ट्रीय परिसंपत्ति पुनर्गठन कंपनी लिमिटेड (एनएआरसीएल) के जून तक शुरू होने की उम्मीद है, जो भारत में बैड बैंक की तर्ज पर काम करेगा। बैड बैंक ऐसा वित्तीय संस्थान हैं, जो उधारदाताओं की खराब परिसंपत्ति को लेकर उनका समाधान करता है। भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुनील मेहता ने बताया कि नई इकाई का गठन सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों की मदद से किया जा रहा है। उन्होंने कहा` कि इस संबंध में विभिन्न काम चल रहे हैं और हमें उम्मीद है कि यह अगले महीने चालू हो जाएगी। एनएआरसीएल का फायदा पहचाने गए एनपीए (गैर निष्पादित परिसंपत्ति) का एकत्रीकरण होगा। उन्होंने कहा` कि इसके वसूली में अधिक दक्ष होने की उम्मीद है, क्योंकि विभिन्न बैंकों को इस समय बुरे कर्ज के समाधान में कई तरह की जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। मेहता ने कहा कि एनएआरसीएल इस समय कर्जदाताओं के खराब ऋणों को लेगा और एनपीए की बिक्री से अधिकतम राशि हासिल करने की कोशिश करेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2021-22 के आम बजट में घोषणा की थी कि बैंकों के बहीखातों को तुरंत साफ करने की जरूरत है।

## कोविड मरीजों के लिए Snapdeal ने लॉन्च किया संजीवनी ऐप, जानें क्या है खास

**बिजनेस डेस्क:** ई-कॉमर्स कंपनी स्नैपडील ने कोविड-19 मरीजों को संभावित प्लाज्मा दानकर्ताओं से जोड़ने के लिए 'श्रमजीवी' नाम का एक प्लेटफॉर्म शुरू किया है। इसी के साथ स्नैपडील उन कंपनियों में शामिल हो गई है जिन्होंने देश में महामारी की दूसरी लहर के बीच लोगों की मदद के लिए डिजिटल सेवाएं शुरू की हैं। स्नैपडील ने सोमवार को एक बयान में कहा कि उसने 'संजीवनी' नाम का एक प्लेटफॉर्म तैयार किया है जो देश में कंपनी की व्यापक पहुंच का इस्तेमाल करते हुए लोगों को आपस में जोड़ेगा। इसके दायरे में देश के छोटे शहर और कस्बे भी आएंगे। कंपनी ने कहा कि वेबसाइट और मोबाइल ऐप की मदद से इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया जा सकता है जहां मरीज और प्लाज्मा दानकर्ता दोनों अपने मोबाइल नंबर/ईमेल आईडी के साथ अपना पंजीकरण करा सकते हैं और रक्त समूह, जगह एवं दानकर्ता से जुड़ी खास जानकारी (उनमें कोविड-19 बीमारी का संक्रमण कब शुरू हुआ और कब खत्म हुआ) जैसी जरूरी सूचना दे सकते हैं। पंजीकरण पूरा होने के बाद स्नैपडील का सर्च इंजन संबंधित मैच तलाशेगा और मरीजों को संभावित दानकर्ताओं से जोड़ेगा। 'संजीवनी' प्लेटफॉर्म पहले केवल कंपनी के कर्मचारियों की मदद के लिए शुरू किया गया था लेकिन स्नैपडील ने अब इसे सबके लिए खोल दिया है। फेसबुक और गूगल जैसी बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों से लेकर हेल्दीफाईमी जैसे स्टार्टअप ने टीकाकरण की खातिर स्लॉट का पता लगाने में लोगों की मदद के लिए पिछले कुछ हफ्तों में कई डिजिटल सेवाएं शुरू की हैं। देश में तकनीक पर बढ़ती निर्भरता और सोशल मीडिया की व्यापक पहुंच का इस्तेमाल करते हुए कई कंपनियां और डेवलपर अस्पताल के बिस्तर, वेंटिलेटर और ऑक्सीजन सिलिंडर जैसे संसाधनों की तलाश में लगे लोगों की मदद कर रही हैं।

# कोरोना संकट बढ़ने के बाद सरकार से इस तरह की मदद मांग रही हैं रियल्टी कंपनियां

**मुंबई:**

महाराष्ट्र के रियल एस्टेट डेवलपर ने अब राज्य सरकार से कोरोना संक्रमण के दौर में दी जा रही सुविधाओं को आगे बढ़ाने की मांग की है। इसमें डेवलपमेंट सेस और प्रीमियम की घटी हुई रकम शामिल है। रियल एस्टेट डेवलपर्स चाहते हैं कि साल 2021 के अंत तक इस तरह की सुविधाओं को जारी रखा जाए। कोविड-19 महामारी के सेकंड वेव की वजह से रियल एस्टेट मार्केट की हालत खराब है और इस वजह से डेवलपर अब सरकार से इस तरह की मांग कर रहे हैं। महाराष्ट्र के डेवलपर के इस तरह की मांग को आगे बढ़ाने के बाद संभावना जताई जा रही है कि देश भर के रियल एस्टेट डेवलपर अब डेवलपमेंट सेस और प्रीमियम में कटौती करने की मांग कर सकते हैं। बृहन्मुंबई डेवलपर्स एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल हाल में ही राज्य सरकार से इस बारे में मिला था। कई नगर निगम के कमिश्नर और महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी के चीफ एग्जीक्यूटिव ने रियल्टी कंपनियों पर डेवलपमेंट चार्जेस, सेस,एफएआर प्रीमियम और एडिशनल फ्लोर इंडेक्स के लिए प्रीमियम आदि की रकम में अगस्त 2019 में कटौती कर दी थी। इस तरह की कटौती से रियल एस्टेट सेक्टर को लागत घटाने में काफी मदद मिली थी। अगस्त 2019 से शुरू की गई यह सुविधा 2 साल के लिए दी गई थी जो इस साल अगस्त में खत्म हो जाएगी। महाराष्ट्र में कोरोना मरीज का संकट शुरू होने के बाद हाउसिंग सेक्टर वास्तव में बहुत मुश्किल दौर से गुजर रहा है। साल 2019 में दी गयी इस राहत का फायदा कुछ प्रोजेक्ट ही उठा पाए थे। मार्च 2020 में देश व्यापी लॉकडाउन के बाद से रियल एस्टेट सेक्टर की स्थिति खराब हो रही थी। बृहन्मुंबई डेवलपर्स एसोसिएशन (BDA) ने महाराष्ट्र के शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे को लिखे एक पत्र में कहा, हाउसिंग सेक्टर महाराष्ट्र सरकार से राहत की मांग करता है। कोरोनावायरस संकट खत्म होने के बाद रियल एस्टेट सेक्टर में रिकवरी शुरू हुई थी लेकिन कोरोना के दूसरे वेव की वजह से इंडस्ट्री फिर से संकट में आ गई है।

# औषधि, ऊर्जा शेयरों में खरीदारी से सेंसेक्स 296 अंक उछला

**मुंबई:**

बंबई शेयर बाजार में सोमवार को लगातार चौथे दिन बढ़त दर्ज की गई। दवा और ऊर्जा क्षेत्र के शेयरों में लिवाली का समर्थन बने रहेने से सेंसेक्स 296 अंक चढ़ गया। एनएसई का निफ्टी भी 14,900 अंक के ऊपर बंद हुआ। बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स 295.94 अंक यानी 0.60 प्रतिशत चढ़कर 49,502.41 अंक पर और निफ्टी 119.20 अंक यानी 0.80 प्रतिशत सुधर कर 14,942.35 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में चार प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ लार्सन एण्ड टुब्रो सबसे अधिक लाभ में रहा। डा. रेड्डीज लैब, सन फर्मा, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, ओएनजीसी और महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा के शेयरों में भी बढ़त रही। अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचसीएल टेक जैसे शेयरों में नुकसान हुआ। रिलायंस सिक्युरिटीज के रणनीतिक प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, ÷कोविड-19 के बढ़ने और कई राज्यों में लगाए गए लॉकडाउन की चिंताओं के बावजूद बाजार लगातार मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं।÷ दिन में धातु, दवा, वाहन और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में बढ़त से बाजार को समर्थन प्राप्त हुआ। ज्यादातर क्षेत्रों के सूचकांक लाभ में बंद हुए। मोदी ने कहा, ÷वैश्विक बाजारों से अनुकूल संकेत मिलने, मार्च तिमाही के परिणाम अनुकूल टिप्पणियों के साथ ठीक ठाक रहने, रिजर्व बैंक द्वारा घोषित तरलता बढ़ाने के उपायों और राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन नहीं होने से घरेलू शेयर बाजारों को समर्थन मिला है।÷ एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, टोक्यो और सोल में सकारात्मक रुख रहा जबकि हांग कांग का बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में मध्यकाल तक नुकसान का रुख बना हुआ था। इस बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चे तेल का भाव 0.53 प्रतिशत बढ़कर 68.64 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

## सोने में 179 रुपये और चांदी में 826 रुपये की तेजी

**नयी दिल्ली,**

वैश्विक बाजारों से तेजी के रुझान के बीच स्थानीय सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने का भाव 179 रुपये की तेजी के साथ 47,452 रुपये प्रति दस ग्राम हो गया। एचडीएफसी सिक्युरिटीज ने यह जानकारी दी है। इससे पिछले कारोबार में बंद भाव 47,273 था। चांदी भी 826 रुपये की तेजी के साथ 71,541 रुपये प्रति किलो ग्राम रही। पिछले सत्र में यह 70,715 रुपये पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लाभ के साथ 1,836 डालर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी 27.65 डालर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही। एचडीएफसी सिक्यूरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''डॉलर के कमजोर होने तथा अमेरिकी बांड से लाभ प्राप्ति घटने के कारण सोने की कीमतों में तेजी आई।''

# अमेरिका की सबसे बड़ी फ्यूल पाइपलाइन पर साइबर अटैक, बढ़ सकती हैं पेट्रोल-डीजल की कीमतें

**बिजनेस डेस्क:**

अमेरिका की सबसे बड़ी तेल पाइपलाइन **Colonial Pipeline** पर साइबर अटैक हुआ है। देश के पूर्वी तट के लिए 45 फीसदी डीजल, पेट्रोल और जेट फ्यूल की सप्लाई इसी पाइपलाइन के जरिए होती है। इससे रोजाना 25 लाख बैरल फ्यूल की आपूर्ति होती है। शुक्रवार को हुए साइबर हमले के बाद इसका सारा कामकाज बंद हो गया है और सर्विस को फिर से बहाल करने की कोशिश की जा रही है। इससे दुनियाभर में तेल की कीमतों में तेजी आ सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे तेल की कीमतों में 2 से 3 फीसदी तेजी आ सकती है। अगर इसमें ज्यादा समय लगता है तो स्थिति और बदतर हो सकती है। इंडिपेंडेंट ऑयल मार्केट एनालिस्ट गौरव शर्मा के मुताबिक टैक्सस की रिफाइनरियों में बड़ी मात्रा में तेल फंसा हुआ है। उन्होंने कहा कि अगर मंगलवार तक स्थिति सामान्य नहीं हुई तो बड़ा संकट पैदा हो सकता है। माना जा रहा है कि इस घटना का असर भारत पर भी होगा और पेट्रोल-डीजल की कीमत के साथ-साथ गैस की कीमत में उछाल आ सकती है।

**हैकर्स ने 100GB डेटा चुराया**

इस साइबर अटैक का आरोप डार्कसाइड नाम की साइबर अपराधियों की गैंग पर लग रहा है। इन्होंने कोलोनियल कंपनी के नेटवर्क को हैक कर लिया और करीब 100GB डेटा चुरा लिया। हैकर्स ने कुछ कंप्यूटरों को लॉक करके फिरौती भी मांगी है।

फिरौती न मिलने पर डेटा को इंटरनेट पर लीक करने की धमकी दी है।

## हीलिंग टच कोविड की दूसरी लहर से निपटने के लिए अपने उत्पादों की श्रृंखला के साथ है तैयार

**बेंगलुरु।** कोविड-19 वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए सायकल प्योर अगरबत्ती के निर्माता एन रंगा राव एंड संस ने हीलिंग टच ब्रांड के तहत आयुष प्रमाणित आयुर्वेदिक हैड सैनिटाइजर और बहु-कीटाणुनाशक स्प्रे को लॉन्च किया है। नींबू तेल आधारित सैनिटाइज़र इस तरह से सौम्यता के साथ तैयार किया गया है, जो त्वचा पर कोमल प्रभाव डालता है और साथ ही 99.9% सुरक्षा प्रदान करता है। हीलिंग टच सरफेस डिसइन्फेक्टेंट स्प्रे (कीटाणुनाशक छिड़काव) तुरंत कठोर और मुलायम सतहों पर कीटाणुओं को नष्ट करते हुए आपके प्रियजनों के लिए एक सुरक्षित और रोगजनक मुक्त वातावरण का निर्माण करता है।

भारत में कोविड-19 वायरस की दूसरी लहर काफी तेजी से बढ़ रही है और इसे देखते हुए हीलिंग टच स्वच्छ उत्पादों के प्रभावी इस्तेमाल के जरिए विषाणु को आपसे दूर रखने की अहमियत पर जोर देता है। आयुष प्रमाणित हीलिंग टच हैंड सैनिटाइजर में प्राकृतिक नींबू तेल (विटामिन सी से भरपूर) के साथ 70ब्र अल्कोहल है। यह बाजार में दो वैरिएंट्स- लिक्विड और जेल में 100 एमएल, 250 एमएल और 500 एमएल के बोतल में उपलब्ध है। बाजार में पहली बार कदम रखते हुए ब्रांड ने कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, एनसीआर और पश्चिम बंगाल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

उत्पाद के बारे में बताते हुए रिप्पल फैंगरेंस के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री किरण रंगा ने कहा, 'हीलिंग टच को बनाने का उद्देश्य उपभोक्ताओं के निजी और सार्वजनिक स्वच्छ व्यवहारों में सुधार लाने में मदद करना है। एक बार फिर से महामारी के जोर पकड़ने की वजह से हमने हमारी आपूर्ति श्रृंखला और वितरण माध्यमों को तैयार किया है ताकि बढ़ी हुई मांग की पूर्ति की जा सके। हम इस योजना पर काम कर रहे हैं कि हमारे उत्पाद इस कठिन समय में स्टॉक से खत्म न होने पाएं।' उन्होंने कहा, 'हम प्रत्येक व्यक्ति से टीका लेने की अपील करते हैं। हमारा अनुरोध है कि सभी लोग सरकार की तरफ से सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करें। हम लगातार नई जगह पर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं ताकि सभी तक हमारे उत्पाद की पहुंच सुनिश्चित हो पाए।'

हीलिंग टच मल्टी सरफेस बहु-कीटनाशक स्प्रे में नींबू तेल है, जो कि प्राकृतिक रूप से कीटनाशी है और इस्तेमाल के दौरान यह वातावरण में सुगंध भी फैलाता है। कीटनाशी स्प्रे सतहों को साफ और चमकाने का काम भी करता है और यह इस दौरान 99.9% जीवाणुओं और विषाणुओं को खत्म कर देता है। इस स्प्रे का इस्तेमाल दरवाजों के हैंडल, कार हैंडल, सीट, की हैंगर, जिम के उपकरणों समेत अन्य सामानों पर किया जा सकता है, जहां विषाणु या जीवाणुओं के पाए जाने की संभावना होती है।

## जायडस वेलनेस का चौथी तिमाही मुनाफा 92.6 प्रतिशत बढ़कर 133.13 करोड़ रुपये पर पहुंचा

**नयी दिल्ली,**

स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र की कंपनी जायडस वेलनेस ने सोमवार को कहा कि समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 92.66 प्रतिशत बढ़कर 133.13 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने कहा कि बिक्री कारोबार बढ़ने से उसका मुनाफा बढ़ा है। कंपनी ने बंबई शेयर बाजार को भेजी गई नियामकीय सूचना में यह जानकारी दी है। उसने कहा है कि एक साल पहले उसे चौथी तिमाही में 69.10 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

कंपनी ने कहा कि जनवरी से मार्च 2021 की अवधि में उसकी एकीकृत बिक्री 600.75 करोड़ रुपये रही है जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 484.76 करोड रुपये रही थी। पूरे वित्त वर्ष 2020- 21 की यदि बात की जाये तो वर्ष के दौरान कंपनी को 118.73 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ जबकि इससे पिछले साल उसका शुद्ध लाभ 141.72 करोड़ रुपये रहा था। वर्ष के दौरान कंपनी की एकीकृत बिक्री 1,853.66 करोड़ रुपये रही जबकि इससे पिछले साल उसका कुल बिक्री कारोबार 1,734.19 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने कहा कि वर्ष के दौरान उसके ग्लुकोन-डी, शुगर- फ्री, एवरयूथ स्क्रब, पील आफ फेस मास्क और नायसिल ने अपनी अपनी श्रेणी में अग्रणी स्थिति बनाये रखी। उसने कहा कि कंपनी के निदेशक मंडल ने 2020- 21 के लिये शेयरधारकों को 10 रुपये के शेयर पर पांच रुपये प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देने की सिफारिश की है।

# कोविड महामारी के बाद फेस मास्क बन सकता है मौसमी : फौसी

**वाशिंगटन।**

चेहरे की मास्क पहनना तब मौसमी हो सकता है, जब श्वसन संबंधी बीमारियां अधिक प्रचलित हों, ऐसा अमेरिका के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ एंथोनी फौसी का कहना है। सीएनबीसी ने रविवार को व्हाइट हाउस के मुख्य चिकित्सा सलाहकार के एनबीसी के मीट द प्रेस के साथ साक्षात्कार का हवाला देते हुए बताया कि फौसी ने कहा कि उन्हें लगता है कि लोगों ने फेस मास्क पहनने की आदत डाल ली है। फौसी ने उद्धृत किया स्पष्ट रूप से अगर आप डेटा को देखते हैं तो यह श्वसन संबंधी बीमारियों को कम करता है, तो हमने इस साल व्यावहारिक रूप से गैर-मौजूद फ्लू का मौसम देखा क्योंकि लोग कोविड-19 के खिलाफ मुख्य रूप से निर्देशित सार्वजनिक स्वास्थ्य चीजों के प्रकार थे। उन्होंने कहा, तो यह बोधगम्य है कि जैसा कि हम एक या दो साल या उससे अधिक समय से चलते हैं, जब कुछ मौसमी अवधि के दौरान जब आपके पास फ्लू जैसे श्वसन जनित वायरस होते हैं, तो लोग वास्तव में उन संभावनाओं को कम करने के लिए मास्क पहनने का चुनाव कर सकते हैं जो आपकी सांस की बीमारियों को कम करेंगे। यूएस सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के वर्तमान मार्गदर्शन के अनुसार, पूरी तरह से टीका लगाए गए लोग व्यायाम कर सकते हैं और बिना मास्क के छोटे सभाओं का आयोजन कर सकते हैं। हालांकि, एजेंसी अभी भी मास्क पहनने की सलाह देती है। पिछले हफ्ते, फौसी ने कहा कि यह यह समय इनडोर मास्क आवश्यकताओं को कम करने का समय हो सकता है। फौसी को एबीसी के दिस वीक के रूप में उद्धृत करते हुए कहा गया, हमें अधिक उदार होने की आवश्यकता है, क्योंकि हम अधिक लोगों को टीका लगवाते हैं। अगले दिन मदर्स डे के मौके पर अमेरिका वापस सामान्य स्थिति में आ जाएगा, अगर कोविड -19 के खिलाफ पर्याप्त लोगों को टीका लगाया जाता है।

## IOC अध्यक्ष बाक ने कोविड-19 मामलों के कारण जापान दौरा रद्द किया

**तोक्यो ।** जापान में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक ने अपने दौरे को रद्द कर दिया है। तोक्यो ओलंपिक आयोजन समिति ने सोमवार को यह जानकारी दी। बाक को ओलंपिक मशाल रिले में शामिल होने के लिए अगले सोमवार को हिरोशिमा आना था। उसके बाद उनके तोक्यो यात्रा पर भी आने की संभावना थी। आयोजन समिति की अध्यक्ष सीको हाशिमोतो ने पिछले हफ्ते कहा था कि बाक के लिए इस दौरे पर आना मुश्किल होगा, तभी कयास लगाये गये थे कि उनका दौरा रद्द हो जाएगा। तोक्यो और देश के अन्य हिस्सों में कोविड-19 के कारण आपातकाल लागू है। इसे मंगलवार को खत्म होना था लेकिन अब यह 31 मई तक बढ़ा दिया गया है।यहां जारी बयान में कहा गया कि बाक का दौरा जब भी संभव होगा जल्द से जल्द होगा।'' बाक के दौरे के रद्द होने से ओलंपिक आयोजन पर फिर से सवाल उठने लगे है लेकिन आईओसी और आयोजन समिति ने कहा है कि यह रद्द नहीं होगा और इसका आयोजन सुरक्षित होगा।

# बीजिंग ओलंपिक से बाहर होने के बाद डिप्रेशन से लड़ी थी : सानिया

**नई दिल्ली।**

भारत की टेनिस स्टार सानिया मिर्जा कलाई की चोट के कारण 2008 के बीजिंग ओलंपिक से बाहर होने के बाद डिप्रेशन जूझ रही थीं। छह बार की युगल ग्रैंड स्लैम विजेता सानिया इस चोट के कारण करीब एक साल तक कोर्ट से दूर थी। सानिया ने एक यूटयूब चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा, कलाई की चोट के कारण बीजिंग ओलंपिक 2008 से बाहर होने के बाद मैं करीब 3-4 महीने तक डिप्रेशन में थी। मैं बिल्कुल ठीक हुआ करती थी और फिर मेरे आंखों में आंसू आ जाते थे। मुझे याद है कि मैं एक महीने तक खाना खाने के लिए भी बाहर नहीं आई थी। उन्होंने कहा, मुझे लगा कि अब मैं दोबारा टेनिस नहीं खेल पाउंगी। मैं थोड़ा आपा से बाहर थी, इसलिए मेरे लिए अपनी शर्तों पर कुछ नहीं कर पाना बहुत मुश्किल था। 34 साल की सानिया ने कहा कि उस समय 20 साल की खिलाड़ी के लिए यह बहुत बड़ा झटका था। राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार विजेता सानिया ने कहा, मेरी कलाई की चोट गंभीर थी और मैं वापसी करने में सक्षम नहीं थी। मैं पूरी तरह से टूट गई थी। इसके बाद मेरी सर्जरी हुई और तब और ज्यादा बुरा लगने लगा जब मुझे लगा कि मैंने खुद को अपने परिवार को नीचे दिखाया है। मुझे लगा कि मैंने अपने देश का मान गिराया है क्योंकि मैं ओलंपिक से बाहर हो गई हूं। उस समय डिप्रेशन से जूझने के दौरान सानिया का परिवार ही उनके लिए ताकत बना, जिसने उन्हें फिर से कोर्ट पर वापसी करने और उन्हें उनका खोया हुआ आत्मविश्वास वापस दिलाया। सानिया ने कहा, मेरे परिवार ने मुझे सही दिशा में पहुंचने में मदद की। मैं उससे एक साल बाद वापस आया। मैं 6-8 महीने तक टेनिस नहीं खेली। उसके बाद मैंने वापसी की और उस साल भारत में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में मैंने दो पदक जीते। यह आपको यह दिखाता है कि अगर आप मानसिक रूप से सही होते हैं तो आपका परिवार आपकी मदद करती है।

# पहलवान सुशील कुमार की मुश्किलें बढ़ीं, हत्या के मामले में जारी हुआ लुक आउट नोटिस

**स्पोर्ट्स डेस्क ।**

पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मामले में पुलिस की गिरफ्त से दूर ओलंपिक मेडल विजेता पहलवान सुशील कुमार की तलाश की जा रही है। वहीं अब इस मामले में उनकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं। अब दिल्ली पुलिस ने सुशील कुमार के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी कर दिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि नोटिस रविवार देर शाम जारी किया गया था। पुलिस पहले ही इस मामले में शामिल लोगों के बयान दर्ज कर चुकी है। उन्होंने कहा कि मॉडल टाउन इलाके में एक फ्लैट खाली करने को लेकर झड़प हुई। इस मामले में एफआईआर में सुशील कुमार फरार चल रहे हैं और उनका पता लगाने की कोशिश चल रही है। इससे पहले अधिकारी ने कहा था कि दिल्ली-एनसीआर और पड़ोसी राज्यों में उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी जारी हैं। उन्होंने कहा, पीड़ितों ने आरोप लगाया कि झड़प के समय कुमार मौके पर मौजूद थे। गौरतलब है कि 5 मई को दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में पहलवानों के दो गुटों में भिड़ंत में 5 पहलवान गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिनमें से एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया था। इस मामले की दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई शुरू की और अब एफआईआर में सुशील कुमार का भी है और उसकी तलाश में छापेमारी जारी है लेकिन वह अभी तक दिल्ली पुलिस से बचता आ रहा है।

## कप्तान विराट कोहली और इशांत शर्मा ने लगवाई वैक्सीन की पहली डोज

**नई दिल्ली ।**

भारतीय कप्तान विराट कोहली और वरिष्ठ तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने सोमवार को कोविड-19 का पहला टीका लगवाया। मुंबई में रहने वाले कोहली ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर पोस्ट की है जबकि इशांत और उनकी पत्नी प्रतिमा ने भी टीकाकरण केंद्र की अपनी फोटो ट्विटर पर डाली है। इशांत ने अपने ट्विटर पेज पर लिखा है कि इसके लिए आभारी हूं तथा इस काम में लगे सभी लोगों का भी आभार व्यक्त करता हूं। व्यवस्था के सुचारू संचालन से खुशी हुई। सभी जल्द से जल्द टीका लगवाए। भारतीय उप कप्तान अजिंक्य रहाणे, तेज गेंदबाज उमेश यादव और सलामी बल्लेबाज शिखर धवन पहले ही टीका लगवा चुके हैं। भारतीय टीम दो जून को इंग्लैंड के साढ़े तीन महीने के दौरे पर रवाना होगी। इस दौरान वह न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल तथा उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी। भारत में अब 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का टीकाकरण शुरू हो गया है।

# इस विदेशी लीग में चौके-छक्के लगाती नजर आएंगी शेफाली वर्मा,बीसीसीआई ने दी मंजूरी

**नई दिल्ली।**

भारत की युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट में बर्मिंघम फीनिक्स की ओर से खेलने की तैयारी में हैं और वह इस साल के अंत में महिला बिग बैश टी20 लीग में सिडनी फेंचाइजी की ओर से भी खेल सकती हैं। आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दुनिया की नंबर एक बल्लेबाज 17 साल की शेफाली अपनी कप्तान हरमनप्रीत कौर, उप कप्तान स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्ज और दीप्ति शर्मा के बाद 100 गेंद के टूर्नामेंट से जुड़ने वाली पांचवीं भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने बताया कि बर्मिंघम फ्रेंचाइजी ने शेफाली से संपर्क किया था और यह अनुबंध होने वाला है। वह टीम में न्यूजीलैंड की सोफी डेवाइन की जगह लेंगी। सूत्र ने कहा कि वह महिला बिग बैश में खेलने के लिए सिडनी फ्रेंचाइजी के साथ भी बात कर रही हैं। द हंड्रेड टूर्नामेंट को पिछले साल कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित कर दिया गया था। इस साल यह टूर्नामेंट 21 जुलाई से खेला जाएगा और टूर्नामेंट का पहला मैच ओवल इनविंसिबल्स और मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के बीच होगा। महिला बिग बैश लीग इस साल आखिर में होगी। यह शेफाली का पहला विदेशी टी20 टूर्नामेंट होगा। शेफाली 22 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 148.31 के स्ट्राइक रेट के साथ 617 रन बनाकर आक्रामक बल्लेबाज के रूप में उभरी हैं। इस बीच राष्ट्रीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का चयन इस हफ्ते मदन लाल की अगुआई वाली क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) करेगी। निवर्तमान कोच डब्ल्यू वी रमन और पांच महिला कोच सहित कुल 35 दावेदारों ने महिला कोच के पद के लिए आवेदन किया है। सूत्र ने कहा कि सीएससी को इस संदर्भ में सूचना दे दी गई है और कोच का चयन इस हफ्ते किया जाएगा। पूर्व मुख्य चयनकर्ता हेमलता काला, ममता माबेन, जया शर्मा, सुमन शर्मा और नोशीन अल खादीर पांच महिला दावेदार हैं जबकि पूर्व कोच रमेश पोवार और तुषार आरोठे ने भी पद के लिए आवेदन किया है।

## संक्षिप्त समाचार

### सनराईजर्स हैदराबाद लोगों की मदद के लिए आया आगे, दान किए इतने करोड़ रूपए

**नई दिल्ली ।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम सनराइजर्स हैदराबाद की मालिक सन टीवी ने सोमवार को राज्य और केंद्र सरकारों के अलावा विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों (एनजीओ) के सहयोग से चलाये जा रहे कोविड-19 राहत कार्यों के लिये 30 करोड़ रुपये दान किये। भारत अभी कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है जिसके कारण प्रतिदिन 4000 से अधिक लोगों की मौत हो रही है। सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने ट्विटर पेज पर जारी बयान में कहा कि सन टीवी कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करने के लिए 30 करोड़ रुपये दान कर रहा है। इसमें कहा गया है कि इस धनराशि का उपयोग भारत के विभिन्न राज्यों में चलाये जा रहे कई अभियानों पर किया जाएगा जिसमें भारत सरकार और राज्य सरकार के कार्यक्रमों में दान और एनजीओ के साथ मिलकर ऑक्सीजन सिलेंडर, दवाईयां आदि उपलब्ध कराना शामिल है।

### लोनाटो विश्व कप : शानदार फॉर्म में दिखे गुरजोत सिंह, 12वें स्थान पर पहुंचे

**नई दिल्ली ।** भारतीय निशानेबाज गुरजोत सिंह खंगुरा ने इटली के लोनाटो में आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप में शानदार आगाज करते हुए रविवार को प्रतियोगिता के शुरूआती दिन 75 में से 74 निशाने सही लगाए। हाल ही में भारतीय ओलंपिक टीम में आरक्षित सदस्य के रूप में शामिल हुए गुरजोत क्वालीफिकेशन के पहले तीन दौर में शानदार फॉर्म में दिखे। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे एक अन्य भारतीय अंगद वीर सिंह बाजवा ने 71 का स्कोर किया। बाजवा तोक्यो ओलंपिक की टीम में मुख्य खिलाड़ी है। प्रतिस्पर्धा में भाग ले रहे 112 निशानेबाजों में भी 12 का तीसरे दौर का खेल खत्म नहीं हुआ है। गुरजोत फिलहाज 12वें स्थान पर है जबकि अंगद इस तालिका में 54 वें स्थान पर है। शीर्ष छह निशानेबाज फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगे। गौर हो कि इस प्रतियोगिता में 56 देशों के 399 निशानेबाज भाग ले रहे है जिसमें भारत से सिर्फ गुरजोत और अंगद शामिल है।

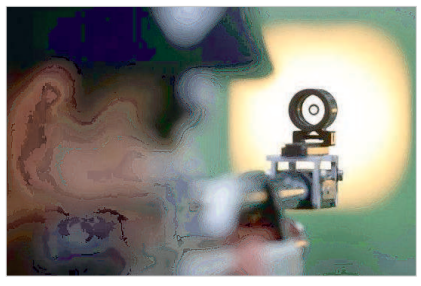

# टी20 विश्व कप के लिए श्रीलंका टीम में लौट सकते हैं मलिंगा

**कैंडी।**

दिग्गज तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा आगामी टी20 विश्व कप के लिए एक बार फिर से श्रीलंका की टीम में लौट सकते हैं। राष्ट्रीय चयनकर्ता समिति के चेयरमैन प्रमोदया विक्रमसिंघे ने इसकी जानकारी दी है। विक्रमसिंघे ने मॉर्निंग स्पोटर्स से कहा, हम जल्द ही लासिथ से बात करेंगे। अक्टूबर में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप सहित टी20 दौरों के लिए वह हमारी योजनाओं में हैं। हम 2023 विश्व कप (50 ओवरों का) तक के लिए लंबी प्लानिंग पर काम कर रहे हैं। हमारा मुख्य ध्यान दो मुख्य पहलुओं पर है, जोकि उम्र और फिटनेस है। वनडे क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद आईपीएल फेंचाइजी मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2021 की नीलामी से पहले ही मलिंगा को रिलीज कर दिया था। वह आईपीएल में 122 मैचों में 170 विकेट के साथ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। 37 साल के मलिंगा 2008 से ही मुंबई इंडियंस टीम के साथ जुड़े हुए थे। 2021 और 2022 में होने वाले लगातार दो टी20 विश्व कप को देखते हुए श्रीलंका को मलिंगा के अनुभव की जरूरत पड़ेगी। विक्रमसिंघे ने कहा, लसिथ हमारी योजनाओं में भी है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि वह हमारे देश के सबसे महान गेंदबाजों में से एक हैं। उनका रिकॉर्ड यह बयां करता है। इस साल और अगले साल लगातार दो टी20 विश्व कप है। हम अगले कुछ दिनों में उनसे मिलेंगे तो हम उनसे अपनी योजनाओं पर चर्चा करेंगे।

मलिंगा ने भी कहा है कि वह चयनकर्ता से मिलने को लेकर उत्साहित हैं। दिग्गज तेज गेंदबाज ने कहा, मैंने टेस्ट और वनडे से संन्यास लिया है, लेकिन टी20 से नहीं। मैं यह भी जानने के लिए उत्सुक हूं कि चयन समिति को मेरे जैसे सीनियर खिलाड़ी की सेवाएं राष्ट्रीय स्तर के लिए कैसे मिलने जा रही हैं। अपने करियर में, मैंने कई मौकों पर साबित किया है कि मैं लंबे ब्रेक के बाद वापसी कर सकता हूं और अपने देश के लिए अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं।

## मैं चाहती हूं कि ओलंपिक हो, लेकिन लोग इसके लिए सहज नहीं है तो चर्चा होनी चाहिए- ओसाका

**रोम ।**

जापान की टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने कहा कि एक खिलाड़ी के तौर पर वह चाहती है कि तोक्यो ओलंपिक का आयोजन हो लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण लोग इसके लिए सहज नहीं है तो इस पर चर्चा होनी चाहिए। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज इस खिलाड़ी से रविवार को इटली ओपन के दौरान जब ओलंपिक आयोजन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से मैं चाहूंगी कि ओलंपिक का आयोजन हो, क्योंकि मैं एक खिलाड़ी हूं और यह कुछ ऐसा है जिसका पूरी जिंदगी इंतजार रहता है। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग एक साल से हालांकि कई अहम चीजें चल रही है। मुझे लगता है कि बहुत सी अप्रत्याशित घटनाएं घटी हैं और अगर यह लोगों को खतरे में डाल रहा है और वे इसे लेकर बहुत असहज हो रहे तो निश्चित रूप से इस पर चर्चा होनी चाहिए। तोक्यो ओलंपिक का आयोजन पिछले साल जुलाई में होना था लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे एक साल के लिए टाल दिया गया था। पिछले कुछ समय से जापान में यह वायरस एक बार फिर से फैलने लगा है लेकिन स्थानीय आयोजकों और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने कहा है खेलों का आयोजन पहले से तय 23 जुलाई से शुरू होगा।

## हॉकी इंडिया ने पूर्व खिलाड़ी फर्नांडिस के निधन पर शोक व्यक्त किया

**नई दिल्ली।** हॉकी इंडिया ने सोमवार को पूर्व खिलाड़ी जार्ज फर्नांडिस के निधन पर शोक व्यक्त किया जिनका कोविड-19 के कारण रविवार को बेंगलुरू में निधन हो गया था। फर्नांडिस 67 साल के थे और पिछले कुछ दिनों से कोविड-19 से जूझ रहे थे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोमबाम ने कहा कि हॉकी इंडिया में हम सभी जूनियर स्तर पर हमारे देश का प्रतिनिधित्व करने वाले जार्ज फर्नांडिस के असामयिक निधन से बेहद दुखी हैं। उन्होंने कहा कि हम दुख की इस घड़ी में उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। पूर्व सीमा शुल्क आयुक्त (कर्नाटक) फर्नांडिस ने एक स्ट्राइकर के रूप में 1975 में भारतीय जूनियर टीम का प्रतिनिधित्व किया था। वह 1975-76 में कर्नाटक की तरफ से जूनियर स्तर पर खेले थे। इससे पहले शनिवार को भारत के दो मशहूर हॉकी खिलाड़ियों रविंदर पाल सिंह और एम के कौशिक का कोविड-19 के कारण निधन हो गया था। ये दोनों मास्को ओलंपिक 1980 की स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य थे।

# मैदान पर वापसी करना सुखद : नवजोत

**बेंगलुरु।**

कोरोना वायरस को मात देकर लौटीं भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड खिलाड़ी नवजोत कौर का कहना है कि स्वस्थ होकर मैदान पर वापसी करना उनके लिए काफी सुखद है। गत 26 अप्रैल को नवजोत के अलावा महिला हॉकी टीम की अन्य छह खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव पाई गई थीं । ये सभी खिलाड़ी यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के हॉस्टल के कमरों में आईसोलेशन में रह रहे थे। करीब दो सप्ताह बाद स्वस्थ होकर इन खिलाड़ियों ने आज से ट्रेनिंग शुरू की है। नवजोत ने कहा, जब हमने सुना कि हमारे कोरोना रिजल्ट पॉजिटिव आए हैं तो काफी दुख हुआ। हमारी सबसे बड़ी चिंता यह थी कि प्रोटोकॉल का पालन करने के बावजूद हम इससे कैसे संक्रमित हुए। मेरे अंदर काफी हल्के लक्षण थे लेकिन दो सप्ताह तक आईसोलेशन में रहना काफी चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने कहा, आज हमने काफी हल्का सत्र रखा और मेरे लिए मैदान पर वापस आना काफी सुखद अनुभव है। चूंकि मेरे अंदर कोई लक्षण नहीं थे तो मैने फिटनेस बनाए रखने के लिए बेसिक मुवमेंट किए थे। नवजोत ने कहा, हम नहीं चाहते थे कि इससे हमारे भरोसे को झटका लगे। यह समय उन सभी एथलीटों के लिए कठिन है जो ओलंपिक खेलों के लिए ट्रेनिंग ले रहे हैं लेकिन यह जरूरी है कि आपका ध्यान अपने लक्ष्य पर बना रहे। उन्होंने कहा, हम हॉकी इंडिया और साई के आभारी हैं जिन्होंने आईसोलेशन में रहने के दौरान हमारा अच्छे से ध्यान रखा। ऐसे समय समर्थन की काफी जरूरत पड़ती है। अब हमारा ध्यान अपनी फिटनेस स्तर को सुधारने पर केंद्रित है।

## केरला ब्लास्टर्स को छोड़कर बेंगलुरु एफसी से जुड़ने की तैयारी कर रहे हैं रोहित

**नई दिल्ली।** इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम केरला ब्लास्टर्स के मिडफील्डर रोहित कुमार क्लब को छोड़कर आने वाले आईएसएल सीजन के लिए बेंगलुरु एफसी टीम के साथ जुड़ने की तैयारी कर रहे हैं। गोल डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, रोहित बेंगलुरु की टीम से जुड़ने के लिए तैयार हैं। 24 वर्षीय मिडफील्डर पिछले सीजन में हैदराबाद एफसी से केरला की टीम में लंबे अनुबंध के साथ आए थे लेकिन एक सीजन के बाद ही उन्होंने आपसी सहमित से अपने अनुबंध को खत्म करने का फैसला किया है। रोहित ने आईएसएल के पिछले सीजन में 11 मैच खेले थे। रोहित ने अपने प्रोफेशनल करियर की शुरूआत आई - लीग के 2016-17 सीजन में डीएसके शिवाजिएंस से की थी जिसके बाद वह आईएसएल क्लब एफसी पुणे सिटी से जुड़े। रोहित पुणे के साथ दो साल तक रहे जिसके बाद वह हैदराबाद की टीम में शामिल हुए। रोहित हैदराबाद के लिए भी सिर्फ एक सीजन ही खेले और बाद में केरल के साथ जुड़े। केरल की टीम का आईएसएल के 2020-21 सीजन में प्रदशर्न निराशाजनक रहा था। वह 20 मैचों में 17 अंक लेकर अंक तालिका में निचले पायदान पर रहा था। बेंगलुरु की टीम का प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा था और वह अंक तालिका में सातवें स्थान पर रहा था।

# सूरत में पौने तीन लाख रुपये में बेचा टोसिलीजुमेब का टीका

**सूरत ।**

कोरोना महामारी के दौरान दवाओं से लेकर इंजेक्शन आदि की कालाबाजारी के बीच कोरोना के उपचार में कारगर टोसिलीज ुमेब का टीका सूरत में पौने तीन लाख रुपये में बेचा गया। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है तथा एक नर्स की तलाश है।

बाजार में इस टीके की कीमत ४० हजार के करीब है। सूरत पुलिस को शहर में कोरोना के गंभीर मरीजों को लगाए जाने वाले टोसिलीजुमेब टीके की कालाबाजारी की जानकारी मिली। इसके बाद स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप एसओजी की एक टीम ने शहर के ट्राय स्टार अस्पताल में कार्यरत नर्स हेतल कथीरिया से संपर्क किया। उमरा पुलिस थाना के पुलिस निरीक्षक केबी झाला ने बताया कि कथीरिया ने वॉट्सएप पर अपने पिता रसिक कथीरिया का नंबर देकर उनसे संपर्क करने को कहा। जब पुलिस के डमी ग्राहक ने रसिक भाई से इस इंज ेक्शन की व्यवस्था करने को कहा तो उसने पहले तीन लाख रुपये मांगे, लेकिन बाद में दो लाख ७० हजार रुपये में देने को तैयार हो गया।

डमी ग्राहक को उसने नजदीक के एक पेट्रोल पंप के पास बुलाकर वहां टोसिलीज ुमेब इंजेक?शन देकर जब दो लाख ७० हजार रुपये लिए तो पहले से वहां मौज ूद पुलिसकर्मियों ने उसे दबोच लिया। पूछताछ में रसिक ने बताया कि वह यह इंजेक?शन जियोमेक्स अस?पताल के बिलिंग काउंटर पर काम करने वाले ब्रज ेश मेहता से लाकर देता है। पुलिस ने ब्रजेश की भी धरपकड़ कर ली है, लेकिन नर्स हेतल अभी फरार है। बाजार में इस टीके की कीमत करीब ४० हजार है, लेकिन काला बाजार में इसे दो से तीन लाख रुपये तक में बेचा जा रहा है। पुलिस को इंजेक्शन के असली होने पर भी शक है, इसलिए उसे जांच के लिए फूड एंड ड्रग्स विभाग की लैब में भेजा गया है। गौरतलब है कि गुजरात पुलिस ने नकली इंजेक्शन व कालाबाजारियों पर शिकंजा कसने के लिए गत दिनों ही करीब दो दर्जन मामले दर्ज कर ६० से अधिक लोगों की धरपकड़ की थी।

# म्यूकोरमाइकोसिस फंगस के इंजेक्शन की बढ़ी मांग

**राजकोट ।**

कोरोना संक्रमित मरीज अब देश भर के कई शहरों के अस्पतालों में ब्लैक फंगस इंफेक्शन के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। दिल्ली के अस्पतालों के बाद, गुजरात के अस्पतालों में भी अब कोरोना के मरीज़ म्यूकोरमाइकोसिस फंगस का शिकार बन रहे हैं। कोरोना के बढ़ते आतंक के बीच इस नई बीमारी ने मरीजों के साथ ही साथ स्वस्थ्य महकमा की चिंता बढ़ा दी है। कोरोना संक्रमणों के उपचार के लिए संजीवनी के समान रेमडेसिवीर इंजेक्शन के बाद अब म्यूकोरमाइकोसिस फंगस के इलाज में अहम भूमिका अदा करने वाली इंजेक्शन की कमी देखी जा रही है। परिणामस्वरूप मरीज के परिजन इंजेक्शन लेने के लिए कई मेडिकल स्टोरों पर जाने को मजबूर हो रहे हैं। इतना हीं कुछ लोगों को तो कई दिनों तक धक्के खाना पड़ रहा है।

म्यूकोरमाइकोसिस फंगस का इलाज बहुत महंगा और जटिल है। उपचार के दौरान रोगी को १५ से २१ दिनों के लिए एम्फोसिन-बी नाम का इंजेक्शन दिया जाता है। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर दूरबीन की मदद से नाक के फंगस को हटाने के लिए सर्जरी की जाती है। इस बीमारी के इलाज के लिए रोगी को वजन के आधार पर प्रतिदिन ६-९ इंजेक्शन की आवश्यकता होती है। जिसमें एक इंज ेक्शन की कीमत करीब ६-७ हजार रुपये होती है। २० से २८ दिन के इंजेक्शन कोर्स को पूरा करने के लिए १३ से १४ लाख रुपये का खर्च आ जाता है। जानकारों की मान तो सबसे पहले साइनस में फंगल संक्रमण होता है और २ से ४ दिनों में आंखों तक पहुंच जाता है। यह फंगल संक्रमण सबसे पहले कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों पर हमला करता है। उपचार के दौरान दिए गए दवा का शरीर पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। यदि रोगी को मधुमेह है तो उसे यह नई बीमारी होने की सबसे अधिक संभावना है। सिर में असहनीय दर्द, आंखों की लाली, आंखों में पानी आना और आंखों की गति कम होने जैसे लक्षण दिखने पर फौरन डॉक्टर से सलाह लेना चाहिए।

# ५० प्रोफेसर सहित १०५० स्टाफ कोरोना ड्यूटी से मुक्त

## पहले स्थिति इतनी बिगड़ गई थी कि एक भी बेड खाली नहीं था, अब ऑक्सीजन और बेड की कमी दूर हुई

**सूरत ।**

कोरोना मरीजों की संख्या कम होने पर सिविल अस्पताल की स्थिति सामान्य हुई है। ६० फीसदी कोरोना की ड्यूटी मुक्त हुई है। आज से सामान्य ओपीडी शुरू हो जाएगी। अभी पहली पाली में सुबह में ९ से १ बजे तक सामान्य ओपीडी शुरू होंगे। इसके अलावा अन्य बीमारियों के २००० मरीजों को रोजाना उपचार मिल सकेगा। सूरत सिविल अस्पताल की स्थिति की बात की जाए तो अस्पताल तथा कोविड केयर के ११२६५ में से ४५३१ मरीज उपचार के तहत है। यानी कि ६७३४ बेड खाली है। दो सप्ताह पहले स्थिति इतनी बिगड़ गई थी कि एक भी बेड खाली नहीं था। अब ऑक्सीज न और बेड की कमी दूर हुई है। प्लांट ऑपरेशन और म्युकोरमाईकोसिस के उपचार की तैयी की जा रही है। कॉन्ट्रैक्ट पर लिए गए स्टाफ को कोरोना की ड्यूटी दी जाएगी, क्योंकि उनकी ट्रेनिंग इसके लिए हुई है। उनका कॉन्ट्रैक्ट सिर्फ ३ महीने का है। ओपीडी में संबंधित विभाग ही डॉक्टर रहेंगे। सिविल अस्पताल में करीब ३०० से ज्यादा रेसिडेंट डॉक्टर, ५० से ज्यादा प्रोफेसर, ३०० से ज्यादा नर्सिंग स्टाफ, ४०० वर्ग चार के कर्मचारी अब ओपीडी के लिए तैयार है। कोरोना मरीजों की उपचार के लिए ४० फीसदी स्टाफ सीमित है। सिविल अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि सामान्य दिनों में दो ओपीडी चलते है, लेकिन अभी ९ से दोपहर में १ तक एक मीटिंग ही ओपीडी शुरू करेंगे। प्लांड ऑपरेशन की तैयारी की जा रही है। म्युकोरमाईकोसिस की उपचार शुरू करने का विचार कर रहे है। निजी अस्पतालों में इसकी इलाज शुरू हो गई है। लेकिन बहुत महंगी है। जिसकी वजह से कई लोग इसका उपचार नहीं करा सकते है। कोरोना मरीज कम हो गये है। हमारा ६० फीसदी स्टाफ फ्री हो गया है।

# कोरोना से मृतक परिवार की सहायता के लिए आगे आए सरकार

**अहमदाबाद ।**

गुजरात में कोरोना वायरस की दूसरी लहर कहर बनकर टूट पड़ी है। हालांकि पिछले कुछ दिनों में राज्य में कोरोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ी कमी आई है, लेकिन इतनी नहीं कि राहत की सांस ली जाए। इससे भी ज्यादा खतरनाक यह कि अब कोरोना की वजह से गाँवों की स्थिति अब बिगड़ती जा रही है।

गुजरात कांग्रेस ने आज एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन कर राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि गांवों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण मामले बढ़ रहे हैं। गुजरात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना के कारण राज्य में भय का माहौल पैदा हो गया है। सरकार के अनाड़ी प्रशासन के कारण यह स्थिति पैदा हुई है।

राज्य में कोरोना की हालत बेकाबू हो गई है। लोगों को बेड, इंजेक्शन, ऑक्सीजन और कोरोना टेस्ट के लिए भटकना पड़ रहा है। अमित चावड़ा ने आरोप लगाया कि सरकार के अनाड़ी प्रशासन के कारण लोगों को मौत के कगार पर धकेला जा रहा है। इतना नहीं राज्य सरकार कोरोना से सच्ची मौत का आंकड़ा छिपा रही है। चावड़ा ने कहा कि सरकारी आंकड़े कुछ ओर होते हैं लेकिन कोरोना गाइडलाइन के हिसाब से अंतिम संस्कार करने के लिए लोगों की लाइन लगी है।

गुजरात कांग्रेस राज्य में कोरोना के कारण होने वाली मौतों की संख्या के बारे में भी जानकारी प्राप्त कर रही है।

इसके साथ कांग्रेस नेता ने मांग की कि गाँवों में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सामूहिक परीक्षण और सामूहिक टीकाकरण किया जाए। आज भी गाँवों में कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक लेने के बाद लोगों को दूसरी खुराक के लिए परेशान होना पड़ रहा है। राज्य सरकार को कोरोना से मरने वालों के परिवारों को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत ४ लाख रुपये की सहायता प्रदान करनी चाहिए।

# ग्राहकों द्वारा अपेक्षित के रूप में शहर के हलचल से दूर प्राकृतिक परिवेश में नदी तट पर नवकार रिविएरा की एक भव्य प्रस्तुति

**सूरत ।**

दक्षिण गुजरात के प्रतिष्ठित आवासीय संपत्ति डेवलपर्स में से एक, नवकार रियल्टी, ने सूरत और नवसारी के बीच प्राकृतिक निकटता में सभी अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ 3 बीएचके नवकार रिविएरा की एक भव्य योजना शुरू की है। पूर्णा नदी के किनारे आकार लेने वाली इस योजना ने अपनी भव्यता, उच्च गुणवत्ता वाली जीवन शैली और रिवरफ्रंट सहित सुविधाओं के कारण बहुत ध्यान आकर्षित किया है।

हम लंबे समय से एक गंभीर कोरोना महामारी का सामना कर रहे हैं और इसे नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा घोषित कई प्रतिबंधों के कारण, घर से काम करने और आभासी माध्यम से काम करने का चलन बढ़ रहा है। इस स्थिति में कई लोग शहर की घनत्व और असुरक्षित जीवन शैली से दूर प्राकृतिक निकटता में प्रकृति की गोद में रहने के लिए आकर्षित होते हैं। नवकार रियल्टी द्वारा ग्राहकों की लगातार बदलती मांगों के अनुरूप निर्माण सुविधाओं के उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई है, जिसे बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

सुरक्षा केबिन, क्लब हाउस, गार्डन, स्विमिंग पूल, प्रवेश द्वार, सीसीटीवी कैमरा, फव्वारा, जल निकाय, मूर्तिकला, खेल क्षेत्र सहित कई सुविधाओं से भरपूर। भले ही यह शहर के बाहर प्रकृति के बीच है, लेकिन स्कूल-कॉलेज, अस्पताल, रेलवे स्टेशन, थिएटर-मॉल जैसी आवश्यक सुविधाएं इस योजना से कुछ ही दूरी पर स्थित हैं।

इस अवसर पर, नवकार रियल्टी के प्रमोटर, ऋषभ दीपक शाह शाह ने कहा, "पिछले एक साल में, उपभोक्ताओं की पसंद और दृष्टिकोण में अभूतपूर्व बदलाव आया है, जो लॉकडाउन जैसे उपायों को नियंत्रित करने के लिए घर खरीदना चाहते हैं। और कोरो महामारी को नियंत्रित करते हैं। हमने देखा है कि लोग अब स्वतंत्र विला खरीदना पसंद करते हैं जो शहर की हलचल से दूर और फ्लैटों के बजाय मुख्य कारण शांति, सुरक्षा और कल्याण है।"

उन्होंने कहा, च्च्एक अग्रणी और जिम्मेदार रियल एस्टेट समूह के रूप में हमने अपने परिचालन में ग्राहकों की अपेक्षाओं को हमेशा प्राथमिकता दी है। नवकार रिविएराभी ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप है, जो उन सुविधाओं से सुसज्जित है जो ग्राहकों की सभी आवश्यकताओं को पूरा करती हैं जो एक खुशहाल और आरामदायक जीवन शैली चाहते हैं। हमें विश्वास है कि शहर से थोड़ी दूरी पर खुले में आकार ले रही यह योजना अपनी विशिष्टता और अन्य विशेषताओं के कारण घर खरीदारों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी रहेगी।

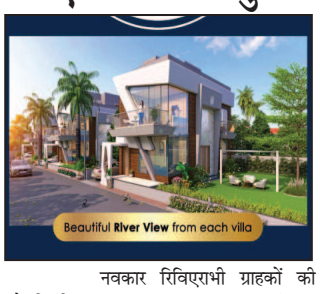


# कोरोना के कहर की वजह से राजस्थान-गुजरात सीमा सील

**गांधीनगर ।**

गुजरात सहित पूरे देश में कोरोना वायरस फैल रहा है। कोरोना की चैन तोड़ने के लिए गुजरात सहित राजस्थान-महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की सरकारें कड़े कदम उठा रही हैं। कोरोना संक्रमण बढ़ने के कारण राजस्थान में१० मई से २४ मई तक लॉकडाउन लगा दिया गया है। दूसरी ओर गुजरात में नाइट कर्फ्यू जैसे और कई सख्त प्रतिबंध लगाए गए हैं। इस बीच जानकारी सामने आ रही है कि राजस्थान-गुजरात सीमा को सील कर दिया गया है। कोरोना संक्रमण बढ़ने के कारण गुजरात-राजस्थान सीमा को सील कर दिया गया है। राजस्थान जाने वाले लोगों को आरटी-पीसीआर रिपोर्ट नकारात्मक होने पर ही एंट्री मिलेगी। १० मई से २४ मई तक राजस्थान में तालाबंदी लागू कर दी गई है। जबकि गुजरात से आने वाली तमाम एसटी बसों के प्रवेश पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस दौरान सिर्फ आवश्यक माल वाहनों को ही प्रवेश दिया जाएगा। बीते दिनों गुजरात हाईकोर्ट से मिलने वाली फटकार के बाद गुजरात सरकार ने गुजरात आने वाले लोगों के लिए आरटी पीसीआर को अनिवार्य कर दिया था। लेकिन राजस्थान से आने वाले लोगों का रतनपुर की सीमा पर जांच नहीं की जा रही। जिसकी वजह से लोग बिना रिपोर्ट दिखाए गुजरात में प्रवेश कर रहे हैं। रतनपुर सीमा पर मोटर चालकों को रोककर स्वास्थ्य-पुलिस की टीम जांच कर रही है। हालांकि सुविधाओं की कमी के कारण कर्मचारी कोरोना संक्रमित होने से डरते हैं। इनके पास सेनिटाइज़र, पीपीई किट सहित कोई सुरक्षा उपकरण नहीं हैं। गुजरात में कोरोना के बढ़ते आतंक पर काबू पाने के लिए अब डॉक्टर भी तालाबंदी की मांग कर रहे हैं। लेकिन रिमोट से चलने वाली रूपाणी सरकार लॉकडाउन लगाने से लगातार इनकार कर रही है। कोरोना संक्रमित राजकीय अस्पतालों में मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण अपनी जान गंवा रहे हैं। गुजरात सरकार ने वक्त पर तालाबंदी नहीं लागू की जिसका नतीजा यह निकला की आज ग्रामीण इलाकों में कोरोना का कहर दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

# कोरोना काल में काम नहीं मिलने पर युवक की आत्महत्या

## युवक को पिछले कई दिनों से मजदूरी का काम नहीं मिलने पर परिवार की आर्थिक जरूरत को पूरी नहीं कर सकता

**सूरत ।**

सूरत शहर में लगातार आत्महत्या की घटनाएं दर्ज होती है। कोरोना को लेकर काम नहीं मिलने पर और परिवार की आर्थिक जरूरत को पूरी नहीं कर पाने से और एक युवक ने गुस्से में आकर आत्महत्या कर ली है। युवक ने गले में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। कोरोना काल में पिछले एक वर्ष से कई लोगों का व्यापार-धंधे में बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है। यह नुकसान के बीच अभी भी कई लोगों को काम-धंधा नहीं मिला है। इसी वजह से वह अपने परिवार की आर्थिक जरूरत को पूरी नहीं कर सकते थे। परिवार का भरण-पोषण नहीं कर सकने से ऐसा लोग गुस्से में आकर आत्महत्या कर लेने का सामने आया है। अब इस कडी में और एक घटना सामने आने से सनसनी मच गई। सूरत के उधना क्षेत्र में स्थित चीकुवाडी में स्थित कैलाशनगर में रहते २६ वर्ष के दिनेश पूनमचंद कुवर के परिवार में ऐसे तो पत्नी और दो संतान है। दिनेश परिवार मजदूरी करके परिवार की आर्थिक जरूरत पूरी करते थे। हालांकि, पिछले कई दिनों से इसे मजदूरी का काम नहीं मिलने पर वह परिवार की आर्थिक जरूरत पूरी नहीं कर सकते थे। इसी वजह से वह चिंता में आ गया था। इसकी वजह से लगातार मानसिक तनाव भी अनुभव करते थे।

बात यहां तक पहुंची कि युवक ने गुस्से में आकर अपने घर की छत के हुक के द्वारा चादर बांधकर गले में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना की जानकारी मिलने पर परिवार शोक में डूब गया। घटना की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई थी। पुलिस ने यह मामले में अपराध दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में युवक ने कोरोना काल में परिवार का भरण-पोषण करने के लिए काम नहीं मिलने पर आत्महत्या कर ली। हालांकि, सूरत में इस प्रकार की प्रथम घटना नहीं है। इसके पहले कोरोना काल में काम नहीं मिलने की चिंता में कई लोगों ने आत्महत्या कर ली है।

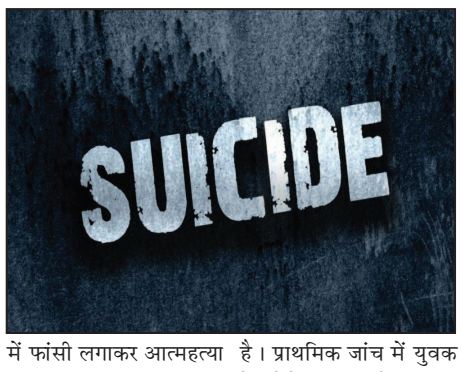

सुरत। श्री सोमवंशीय सहस्त्रार्जुन क्षत्रिय समाज पंच सुरत प्रेरित सहस्त्रार्जुन युवक मंडल और हींगलाज माता महिला मंडल द्वारा आयोजीत रक्तदान केम्प का आयोजन किया गया था। इस रक्तदान शिविर में कुल 63 यूनिट ब्लड मिला है इस शिविर में समाज के प्रमुख श्री प्रसादभाई रावतोले, उप प्रमुख श्री नवीन भाई, युवक मंडल के प्रमुख अनिल भाई, माजी समाज के प्रमुख और भारी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया और सहयोग दिया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत ( गुजरात ) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ ( गुजरात ) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत ( गुजरात ) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, ( न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा )